RNI No : MPHIN/2024/88920

वर्ष : 02 अंक : 245

● भोपाल, बुधवार

03 सितंबर 2025

मूल्य : 02 रुपए पृष्ठ : 08

वेब वार्ता

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हर संघर्ष में आपके साथ

Someone Mobile Service

All Mobile's Repairing & Service Center

OUR SERVICES

Broken Screen Repair
Water Damage Repair
Power On/Off Issue
Battery/Charging Issue
MicroPhone/Speaker/Camera Issue

S.No. 5, Moti Apartment Opp. Moti Masjid, Sultania Road Ibrahimpura, Bhopal (M.P.) Mobile No: +91 9977778816

बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से तबाही

पंजाब के 13 जिलों में हालात बदतर, अब तक 30 लोगों की मौत, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी नदियां उफान पर, गुरुग्राम बना 'जलग्राम', दिल्ली में यमुना बह रही खतरे के निशान से ऊपर, बारिश के चलते नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में आज स्कूल बंद

वैष्णो देवी यात्रा आठवें दिन भी स्थगित, 26 अगस्त को भूस्खलन से हुई थी 34 श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली : पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 13 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 30 लोगों की मौत हो गई है। भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं।

उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। वहीं उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए। भारी बारिश के कारण चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। बीते महीने सामान्य से 68 प्रतिशत ज्यादा (256.8 मिमी) बारिश हुई। यह 1949 के बाद से सबसे ज्यादा है। शिमला में पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल के 6 जिलों में बहुत तेज बारिश का रेड अलर्ट है। 8 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। वहीं बारिश के चलते नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में आज स्कूल बंद रहेंगे। वैष्णो देवी यात्रा सातवें दिन भी स्थगित हुई 26 अगस्त को भूस्खलन से 34 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।

मौसम विभाग ने पंजाब में अगले 36 घंटे के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 12 जिले अमृतसर, गुरदासपुर, मोगा, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर, पटियाला, मोहाली, कपूरथला, जालंधर और लुधियाना बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भारी बारिश जारी है। उधमपुर जिले में लैंडस्लाइड हो रही है। बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर मरम्मत कार्य रोकना बड़ा। इससे जखनी से चेनानी तक वाहनों को जाने से रोक दिया गया।

जम्मू में मंगलवार को तवी नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद मेगाफोन के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने के लिए जागरूक करते एसडीआरएफ के जवान।

मंगलवार को नई दिल्ली के यमुना बाजार में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद निचले इलाकों में घुसे उथले पानी से होकर गुजरता एक व्यक्ति।

घर की कलह : केसीआर ने बेटी कविता को किया पार्टी से बाहर

बेंगलूरु1 : भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता को मंगलवार को तत्काल प्रभाव से पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। उन्हें अपने बयानों और हालिया गतिविधियों की वजह से पार्टी से सस्पेंड किया गया है। यह फैसला कविता के पिता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने लिया। बीआरएस का कहना है कि कविता के हालिया बयान और उनकी गतिविधियां पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के खिलाफ है। दरअसल पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने कविता के खिला यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की और उनके निलंबन की घोषणा की। यह कदम हफ्तों के बढ़ते तनाव के बाद उठाया गया है। सस्पेंशन से एक दिन पहले ही के. कविता ने बीआरएस के भीतर तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने खुले तौर पर पार्टी सहयोगियों पर केसीआर की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था।

सार संक्षेप

सिरसा रेलवे स्टेशन पर अफीम, नकदी सहित दो तस्कर गिरफ्तार

सिरसा : हरियाणा के सिरसा रेलवे स्टेशन पर स्थानीय स्तर पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल और थाना जीआरपी सिरसा के साथ मिलकर सामूहिक चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दो नशा तस्करों को पकड़ लिया जिनसे अफीम के साथ नकदी भी बरामद की। प्रवक्ता के अनुसार पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपी मंदीप सिह पुत्र हमीर सिंह निवासी कलाल वाला, जिला बठिंडा, पंजाब के कब्जे से एक किलो 068 ग्राम अफीम बरामद की।

रामलला के दर्शन को रवाना हुए 11 आत्मसमर्पित नक्सली

नारायणपुरः छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से शुरू की गई 'श्री रामलला दर्शन योजना' के तहत नारायणपुर के आत्मसमर्पण कर चुके 11 नक्सलियों को अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना किया गया। इन श्रद्धालुओं को नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल और वार्ड पार्षद कमलापति मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर नारायणपुर से राजनांदगांव के लिए कार से रवाना किया। सभी श्रद्धालु तीन सितंबर को राजनांदगांव से आस्था विशेष ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेंगे।

16 माओवादियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संयुक्त सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डिस्ट्रिक्ट रिजर्व फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा के जवानों ने मिलकर की है। जिले के थाना बासागुड़ा, गंगालूर और जांगला क्षेत्र से माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

अलग- अलग घटनाओं में तीन की मौत

सुपौल : बिहार के सुपौल जिले में मंगलवार को तीन अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सहरसा- फारबिसगंज रेलखंड में चांदपीपर गांव के पास हुई, जिसमें दसवीं कक्षा का छात्र मनीष कुमार (16) ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी घटना जदिया थाना क्षेत्र के कौरियापट्टी-राजेश्वरी सड़क मार्ग पर हुई, जहां एक महिला शांति देवी (62) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। तीसरी घटना छातापुर थाना क्षेत्र के लालजी चौक के पास एनएच- 91 पर हुई, जहां मधेपुरा जिले के संतोष कुमार (25) की बस और बाइक की टक्कर में मौत हो गई।

नागपुर से कोलकाता जा रहे इंडिगो विमान से पक्षी टकराया, विमान की नोज को नुकसान

मुंबई : नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो-6ई812 फ्लाइट से मंगलवार को पक्षी टकरा गया। इससे विमान की नागपुर में ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। प्लेन में 272 यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। घटना सुबह 7:01 बजे की है। विमान को 8:50 बजे कोलकाता पहुंचना था। एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों का कहना है कि उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही विमान से एक पक्षी टकरा गया।

इससे विमान की नोज (सबसे आगे का हिस्सा) को नुकसान पहुंचा। वह अंदर धंस गई। इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग का यह 5 दिन में दूसरा मामला है। 28 अगस्त को सूरत से दुबई जा रही इंडिगो फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग हुई।

यूपी में भर्ती होंगे आउटसोर्स कर्मचारी

यूपी कैबिनेट में प्रस्ताव को मंजूरी, तीन साल के लिए होगी भर्ती, 16 से 20 हजार रु

लखनऊ, ब्यूरो : योगी सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी देना भी शामिल रहा।

यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे

विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

मेरी मां का हुआ अपमान

बोले पीएम-राजद और कांग्रेस के मंच से किए गए अपशब्दों से मां का ही नहीं बिहार का हुआ अपमान

एनडीए ने चार सितंबर को किया बिहार बंद का एलान

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस-आरजेडी के मंच से दी गई कथित भद्दी बयानबाजी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हाल ही में बिहार में आरजेडी-कांग्रेस के मंच से उनकी मां को गालियां दी गईं। पीएम मोदी ने कहा कि मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। इस समृद्ध परंपरा वाले बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। मेरी मां

का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, फिर भी उन्हें गालियां दी गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मां को गाली नहीं सहेंगे, इज्जत पर वार नहीं सहेंगे, आरजेडी का अत्याचार नहीं सहेंगे, कांग्रेस का वार नहीं सहेंगे, मां का अपमान नहीं सहेंगे। गली-गली से ये आवाज उठनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यह अपमान सिर्फ उनकी मां का नहीं, बल्कि देश की हर मां, बहन और बेटी का अपमान है। इसलिए एनडीए ने चार सितंबर को बिहार बंद का एलान किया है।

मराठा आरक्षण पर फडणवीस सरकार राजी

आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने तोड़ा अनशन

सरकार ने आठ में से छह मांगें की स्वीकार

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन करने आए लोगों और मनोज जरांगे की बड़ी जीत हुई है। सरकार ने हैदराबाद गजट को जारी कर दिया है यानि कि मराठा समाज के लोगों को 'कुनबी' जाति का दर्ज प्राप्त होगा। कुनबी जाति को पहले ही प्रदेश में ओबीसी में शामिल हैं। सरकार के इस फैसले से मराठाओं को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार की इस पहल से न केवल मराठा समाज के लिए कई अवसरों के रास्ते खोलेगी, बल्कि इस

फैसले से सामाजिक न्याय की दिशा भी मजबूत होगी। सरकार की ओर से गजट जारी करने के पहले मनोज जरांगे ने आमरण अनशन खत्म करने को लेकर कुछ शर्तें रखीं थीं। इसमें मराठा समाज को कुनबी जाति में शामिल करने की मांग सबसे प्रमुख था। अब सरकार की ओर से गजट जारी हो गई है। ऐसे में रात नौ बजे वह मुंबई छोड़कर चले जाएं। जरांगे ने आमरण अनशन को खत्म कर आंदोलन की समाप्ति की घोषणा की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी बुधवार सुबह तक आजाद मैदान खाली करने की सख्त चेतावनी दी है। मराठा आरक्षण को लेकर फडणवीस सरकार ने जो हामी भरी है, उसके लिए मनोज जरांगे ने महीनों आंदोलन किए हैं। आरक्षण का रास्ता इतना आसान भी नहीं था।

फूट-फूट कर रोए जरांगे

आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने अनशन खत्म करने के बाद कहा कि आज हमारे लिए दिवाली है, हमें जो चाहिए था, वह मिल गया। सरकार की ओर से जारी सरकारी आदेश (जीआर) स्वीकार करते हुए उन्होंने भावुक होकर उपवास तोड़ दिया। इस दौरान वो फूट-फूट कर रोते हुए नजर आए।

गणपति बप्पा मोरया

अहमदाबाद में मंगलवार को साबरमती नदी के किनारे गणेश विसर्जन के दौरान भगवान गणेश की मूर्ति को तालाब में विसर्जित करते श्रद्धालु।

■ फोटो : एजेंसी

भारत की छोटी चिप दुनिया में लाएगी बदलाव : मोदी

नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। फोटो : वेब वार्ता

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़े बदलाव का कारण बनेगी। मंगलवार को द्वारका स्थित यशोभूमि कंवेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में हमारी यात्रा देरी से शुरू हुई लेकिन अब कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। भारत अब बैकएंड से निकलकर पूर्ण रुप से सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में काम कर रहे लोगों और स्टार्टअप को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है।

वह डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना व चिप-टू-स्टार्टअप कार्यक्रम का लाभ उठाएं। सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत दुनिया की आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के साथ आगे बढ़ रहा है। उभरती हुई प्रौद्योगिकी को भारत में बनी चिप्स से शक्ति मिले। नोएडा और बेंगलुरु में बन रहे हमारे डिजाइन सेंटर दुनिया की आधुनिकतम चिप बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। आज सेमीकंडक्टर डिजाइन तैयार करने वाली दुनिया की 20 प्रतिशत प्रतिभा भारतीय है। सेमीकंडक्टर चिप को डिजिटल डायमंड बताते हुए उन्होंने कहा कि बीती शताब्दी में दुनिया का भाग्य तेल के कुंओं से तय होता था लेकिन इक्कीसवीं शताब्दी की शक्ति छोटी सी चिप में सिमट कर रह गई है। यह चिप भले छोटी हैं लेकिन इसमें दुनिया की प्रगति को गति देने की बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सेमीकंडक्टर का वैश्विक बाजार 60 हजार करोड़ डॉलर का है जो अगले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ डॉलर को पार कर पाएगा। मुझे विश्वास है कि भारतीय सेमीकंडक्टर उद्योग जिस तेजी से बढ़ रहा है इसमें एक अहम हिस्सा भारत का होगा। अभी तक सेमीकंडक्टर की 10 परियोजनाओं में 18 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है, जो भारत पर दुनिया के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। सरकार ने राष्ट्रीय एकल विंडो प्रणाली लागू की है जिससे फाइल से फैक्ट्री का समय कम हुआ है। केंद्र और राज्यों की सारी मंजूरियां एक ही प्लेटफॉर्म पर मिल रही हैं। इससे निवेशकों पर कागजी कार्रवाई का दबाव समाप्त हो गया है। सरकार सेमीकंडक्टर को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन और डिजाइन आधारित प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। इसी का परिणाम है कि माइक्रॉन और टाटा ने टेस्ट चिप बनानी शुरू कर दी हैं। इसी साल स्वदेशी वाणिज्यिक चिप बनकर बाजार में आ जाएगी।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र के तेजी से आगे बढ़ने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि चिप से जुड़ा डिजाइन, विनिर्माण, पैकेजिंग और हाई-टेक डिवाइस देश के अंदर ही उपलब्ध हों, इसके लिए सरकार ने बेहतर माहौल तैयार करने का काम किया है। सरकार मौजूद चुनौतियों पर भी लगातार काम कर रही है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का आधार महत्वपूर्ण खनिज हैं। इसलिए नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के तहत दुर्लभ खनिजों की मांग देश से ही पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है। चार सालों में परियोजना पर काफी काम हुआ है। राज्यों से सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए आपस में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने की अपील की गई। उन्होंने निवेशकों से कहा कि हम खुले दिल से आपका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। आपकी भाषा में कहूं, तो डिजाइन तैयार है, मास्क अलाइंड है। अब अब समय सटीकता के साथ क्रियान्वयन का है, और बड़े पैमाने पर परिणाम देने का है।ह

प्रधानमंत्री को सौंपी पहली स्वदेशी चिप

आयोजन के दौरान केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री विक्रम 32-बिट प्रोसेसर और चार सेमीकंडक्टर टेस्ट चिप सौंपे। विक्रम भारत की पहली पूरी तरह स्वदेशी 32-बिट माइक्रो-प्रोसेसर चिप है। इस प्रोसेसर को विक्रम 3201 नाम दिया गया है। इसे इसरो की सेमी-कंडक्टर लैब में बनाया गया है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन

रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह 'मृत अर्थव्यवस्था' की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक 'लौंड्रोमैट' बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

संपादकीय

संभावनाओं भरी मुलाकात

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर तियानजिन में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात से भारत में उत्साह का माहौल है। यह मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों पर ही अधिक केंद्रित रही। पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध के बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में इतना तनाव आ गया था कि मोदी और शी की मुलाकात से ही उम्मीदें जगने लगती है। मोदी 2020 में हुए इस विवाद के बाद पहली बार चीन पहुंचे हैं। हालांकि दोनों नेता पिछले साल रूस के कजान में भी मिले थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के छेड़े टैरिफ 'युद्ध' से मची उथल-पुथल के बीच बेहद सावधानी से हुए संवाद में दोनों नेताओं ने खूब अच्छी अच्छी बातें कहीं। मोदी ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान एवं संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि सीमा प्रबंधन पर भी एक समझौते पर पहुंच गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू हो रही हैं। विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए, दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन का विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी शिनफिंग ने एक कदम आगे बढ़कर कहा कि दोनों देशों का 'मित्र' बनना सही विकल्प है तथा 'हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन)' को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। चीन और भारत एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं। दुनिया इस समय ऐसे बदलावों से गुजर रही है जो सदी में एक बार होते हैं। मोदी और शी की मुलाकात पर सवाल भी उठे हैं। कांग्रेस का कहना है कि सेना प्रमुख ने लद्दाख में सीमा पर यथास्थिति की पूर्ण बहाली की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और मोदी सरकार चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इससे उस क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई है। लगता है इसी साल 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ चीन की जुगलबंदी को क्या हमने भुला दिया है। कुल मिलाकर जहां यह माना जा रहा था कि यह मुलाकात ट्रंप को करारा जवाब देने का मार्ग प्रशस्त करेगी तो इस बारे में साफ-साफ कोई रणनीति नहीं बनी है। कारण यह कि भारत रूस-चीन को साधना चाहता है तो अमेरिका को भी।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता।

मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

मंदारगिरी पर्वत व महावीर का शांति संदेश का स्वर्णिम अवसर

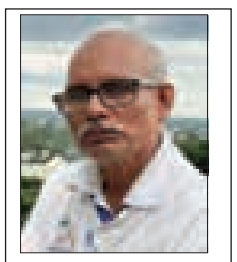

विनोद कुमार सिंह

धन्य -धन्य है वह धरा,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम, कृष्ण,कबीर,तुलसी,नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं।आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं।इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया।उन्होंने 'अहिंसा परमो धर्मः' का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला।संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई।बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से

बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी।वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया।रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया।अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया।अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया।थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा - 'आप सभी अभी से थक गए? अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है।' हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा।

रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों, प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा।वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े।रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- 'हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? 'सर मुस्कुराए और बोले – 'ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें।जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं।'

मंदारगिरी पर्वत पर पहुँचकर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया।यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांतिसागर जी महाराज को समर्पित है।पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है, जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है।

वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा – गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे,गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा।यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह-अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था।पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं।वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है।मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है।हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी, हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो।यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए।हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं,बल्कि जीवन के मूल्यों,शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

डॉक्टरों के पर्चे : लिखावट पर अदालत की फटकार

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है। हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरूआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी ह्यडिजिटल इंडिया मिशनह्ल और ह्यआयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशनह्ल के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मजाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन पर यात्री से गहने और नकदी चुराने के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पर्स से आभूषण और नकदी चुराने के आरोप में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता राखी छाबड़ा ने 30 अगस्त को ई-प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया था कि 24 अगस्त को उनके सोने के आभूषण, कुछ नकदी और दस्तावेज चोरी हो गए थे। पुलिस टीम ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और शिकायतकर्ता के आसपास संदिग्ध रूप से घूम रही तीन महिलाओं की पहचान की। आरोपी महिलाओं की पहचान संजना (22), संध्या (20) और जाह्नवी (22) के रूप में हुई, जो सभी शादीपुर स्थित कठपुतली कॉलोनी की निवासी हैं। पुलिस उपायुक्त (मेट्रो) कुशल पाल सिंह ने बताया कि एक सितंबर को टीम ने तीनों को सराय काले खां मेट्रो स्टेशन से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने महिलाओं के पास से चोरी के सोने के आभूषण और 2,500 रुपये बरामद किए। उन्होंने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, ये महिलाएं आमतौर पर व्यस्त समय में अनजान यात्रियों को निशाना बनाती हैं। ये महिलाएं भीड़ का फायदा उठाकर उनके बैग या पर्स से कीमती सामान चुरा लेती हैं और अगले स्टेशन पर जल्दी से उतर जाती हैं। जांचकर्ताओं ने कहा कि संजना एक आदतन अपराधी है जो पहले विभिन्न मेट्रो पुलिस थाने में दर्ज तीन चोरी के मामलों में शामिल थी जबकि संध्या और जाह्नवी नेहरू प्लेस मेट्रो पुलिस थाने में दर्ज चोरी के एक एक मामले में शामिल रही हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पुलिस ने अगस्त में 130 लापता लोगों को परिवारों से मिलवाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने पुलिस ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत एक महीने के भीतर 130 लापता लोगों को खोज निकाला। इनमें 48 नाबालिग बच्चे शामिल है। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि गुमशुदगी की सूचना मिलते ही संबंधित थाने की टीमें सक्रिय हो गईं। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ऑटो-ई-रिक्शा स्टैंड पर फोटो दिखाकर पहचान करवाई गई। इसके अलावा अस्पताल, बस ड्राइवर, कंडक्टर, दुकानदार और स्थानीय मुखबिरों की मदद ली गई। डीसीपी के अनुसार वहीं अब तक दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने एक जनवरी से 31 अगस्त तक 931 लापता व्यक्तियों को ढूंढ चुकी है। जिनमें 306 नाबालिग और 625 वयस्क शामिल हैं। किस थाने से कितने लापता खोजे गएकापसहेड़ा-14 नाबालिग तथा 13 पुरुष/ महिलासागरपुर- 3 नाबालिग तथा 15 पुरुष/महिलापालम गांव-2 नाबालिग तथा 13 पुरुष/महिलावसंत कुंज साउथ- 2 नाबालिग तथा 9 पुरुष/महिलादिल्ली कैंट - 2 नाबालिग तथा 3 पुरुष/महिलाकिशनगढ़- 1 नाबालिग तथा 6 महिलाएंवसंत कुंज नॉर्थ- 4 नाबालिग तथा 6 पुरुष/महिलाआरके पुरम- 3 नाबालिग तथा 1 महिलासफदरजंग एन्क्लेव- 4 नाबालिग तथा 5 पुरुष/महिलावसंत विहार- 3 पुरुष/महिलासरोजनी नगर- 7 पुरुष/महिलासाउथ कैंपस- 2 महिलाएंएंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट- 14 नाबालिग

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ किया, तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने 100 ग्राम से अधिक स्मैक बरामद होने के बाद मादक पदार्थ के तीन तस्करों को गिरफ्तार कर इसके गिरोह का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों में मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का आका और तस्कर शामिल है। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 28 अगस्त को अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास लक्ष्मीनगर रेलवे पुल के समीप जाल बिछाया और 94.53 ग्राम स्मैक बरामद होने के बाद बदायूं निवासी तल्हा अजहर उर्फ चिंटू (22) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मंडावली थाने में स्वापक औषधि एवं मन- प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किए जाने के बाद इसकी जांच की गई। पूछताछ के दौरान, अजहर ने खुलासा किया कि उसने बदायूं निवासी आजम अली (23) से यह मादक पदार्थ खरीदा था, जिसकी तस्करी कर वह दिल्ली के मंडावली निवासी प्रदीप कुमार पाल (33) तक पहुंचा रहा था। इस सुराग के आधार पर पाल को 30 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके कब्जे से 23.22 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि छापेमारी में गिरोह के प्रमुख तस्कर आज़म अली को बदायूं से गिरफ़्तार किया गया। प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि स्थानीय लोगों तक मादक पदार्थ पहुंचाने के लिए अली उत्तर प्रदेश से दिल्ली तक मादक पदार्थों की तस्करी करता था। अधिकारियों ने उनकी कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि अजहर पहले पटपड़गंज में फलों का ठेला लगाता था लेकिन कारोबार में घाटा होने के बाद मादक पदार्थों की तस्करी में लग गया तथा अली से स्मैक खरीदने लगा। बाद में उसने पाल के साथ मिलकर पूर्वी दिल्ली में नशेड़ियों को पैकेट में भरकर यह मादक पदार्थ बेचा। पुलिस ने बताया कि पाल पहले भी दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

दिल्ली में ली मेरिडियन होटल के पास पेड़ गिरने से यातायात बाधित

नई दिल्ली (एजेंसी)।फिरोजशाह रोड-जनपथ गोलचक्कर पर ली मेरिडियन होटल के पास मंगलवार सुबह एक बड़े पेड़ के गिर जाने से दिल्ली में यातायात संबंधी भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश के बाद यह घटना सामने आई और बारिश के कारण यहां कई मुख्य मार्ग जलमग्न हो गए जबकि यातायात धीमा हो गया। यात्रियों ने मध्य दिल्ली में विशेषकर विंडसर प्लेस और आसपास की सड़कों पर यातायात बाधित होने की सूचना दी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के एक अधिकारी ने कहा, ''हमारी टीम पेड़ को हटाने के लिए मौके पर पहुंचने वाली है और उसे गिरे हुए पेड़ को यथाशीघ्र हटाने का निर्देश दिया गया है, ताकि यातायात सामान्य हो सके।'' दिल्ली में मंगलवार को बादल छाए रहे, जबकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में और बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है, हालांकि फिलहाल कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने पर मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर के निकासी चिह्न की ओर बढ़ने के बीच मंगलवार को गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास एक राहत शिविर का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर मंगलवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.80 मीटर तक पहुंच गया। नदी का बढ़ता जलस्तर दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा कर रहा है। संभागीय आयुक्त नीरज सेमवाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्थिति से अवगत कराया।रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से (सोमवार को छोड़ा गया) पानी आज शाम तक दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, पानी का बहाव अच्छी स्थिति में है।''

उन्होंने कहा, ''हमने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए राहत शिविरों में सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं। भारी बारिश और बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में है। जब तक बाढ़ की स्थिति बनी रहेगी, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को कोई समस्या न हो।'' दिल्ली में 2023 में यमुना नदी का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया था, लेकिन गुप्ता ने कहा कि इस बार यमुना में जलस्तर इतना बढ़ने की उम्मीद नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारों से संपर्क किया है। उन्होंने कहा, ''हम उनकी हरसंभव मदद करेंगे। मैं तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करती हूं कि हम आपकी हरसंभव मदद करेंगे।''

सेमवाल ने बाद में कहा कि जलस्तर बढ़ने के कारण पुराने रेलवे पुल पर यातायात बंद करने का परामर्श जारी किया गया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''शाम पांच बजे तक जलस्तर 206 मीटर को पार करने की उम्मीद है। हमने एक परामर्श जारी किया है, लेकिन अगर शाम पांच बजे से पहले नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर जाता है, तो यातायात पहले ही बंद कर दिया जाएगा। घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। हमारे पास सभी तैयारियां हैं।''

दिल्ली में टोल और ग्रीन टैक्स से मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत, ट्रांसपोर्टरों ने उठाई हटाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम और प्रदूषण की समस्या को देखते हुए ट्रांसपोर्टरों ने केंद्र सरकार से एमसीडी टोल और ग्रीन टैक्स को हटाने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा एमसीडी टोल हटाने के सुझाव के बाद, ट्रांसपोर्टरों ने यह तर्क दिया है कि केवल टोल हटाने से समस्या का पूर्ण समाधान नहीं होगा, बल्कि इसके लिए ग्रीन टैक्स को भी समाप्त करना आवश्यक है। यह कदम भ्रष्टाचार कम करने और दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भ्रष्टाचार और जाम की मुख्य वजह

ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि टोल और ग्रीन टैक्स की वर्तमान व्यवस्था भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रही है, जिससे दिल्ली की सीमाओं पर लंबा जाम लग जाता है। उनके अनुसार, प्रतिदिन 50,000 से अधिक व्यावसायिक वाहन दिल्ली में प्रवेश करते हैं, जिनसे यह टैक्स वसूला जाता है, जिसके कारण घंटों तक वाहनों की कतार लगी रहती है। इससे न केवल माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, बल्कि आम यात्रियों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

पर्यटन क्षेत्र पर भी असर

व्यावसायिक वाहनों के अलावा, पर्यटन क्षेत्र से भी लगभग 50,000 टैक्सी, टेम्पो ट्रैवलर और बसें दिल्ली में आती-जाती हैं, जिनसे टोल टैक्स वसूला जाता है। दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट के अनुसार, इस वसूली प्रक्रिया से पर्यटकों को भी काफी परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि आरएफआईडी (रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) सिस्टम से मनमाने ढंग से टैक्स शुल्क काटने की शिकायतें भी लगातार मिल रही हैं, जिन्हें तत्काल दूर करने की आवश्यकता है।

सरकार से अनुरोध और भविष्य की योजना

ट्रांसपोर्टरों ने इस संबंध में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और एमसीडी को एक अनुरोध पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने इन दोनों टैक्सों को हटाने की मांग की है। उनका मानना है कि यह कदम 'व्यापार सुगमता' की दिशा में एक बड़ा कदम होगा और दिल्ली को ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से राहत दिलाएगा। उनका यह भी कहना है कि यदि टोल और ग्रीन टैक्स दोनों को हटा दिया जाता है।

दिल्ली दंगा मामला : हाईकोर्ट से तस्लीम अहमद और अन्य को बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 में हुए भीषण दंगों की साजिश से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने यूएपीए के तहत आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका खारिज कर दी है। तस्लीम पिछले 5 वर्षों से जेल में बंद है और उसने लंबे समय से कैद में होने का हवाला देते हुए जमानत की गुहार लगाई थी। तस्लीम अहमद के साथ ही इस केस से जुड़े उमर खालिद, शरजील इमाम, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिकाओं को भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह सिर्फ दंगे का मामला नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित साजिश है, जिसका मकसद देश में हिंसा फैलाना और भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करना था। अभियोजन की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि यह एक गहरी साजिश थी, जो देश की एकता और अखंडता के खिलाफ थी। उन्होंने कहा कि सिर्फ इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती कि आरोपी कई वर्षों से जेल में हैं। वहीं, शरजील इमाम के वकील ने अदालत में दलील दी कि उसका दंगे के स्थान और समय से कोई लेना-देना नहीं था और उसने कभी अपने भाषणों में हिंसा या दंगे के लिए उकसाया नहीं। वकील ने व्हाट्सएप चैट और सार्वजनिक भाषणों को पेश करते हुए यह साबित करने की कोशिश की कि शरजील की किसी भी प्रकार की हिंसा में सीधी भूमिका नहीं थी। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलों को प्राथमिकता देते हुए सभी आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। बता दें कि सीएए और एनआरसी के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले में कई प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शरजील इमाम को 25 अगस्त 2020 को गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली कांग्रेस ने बाढ़ प्रभावित बदरपुर गांव का दौरा किया, भाजपा सरकार पर लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पूर्वी दिल्ली के बदरपुर खादर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और वहां के हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पाया कि पूरा गांव पानी में डूब चुका है और आसपास की कॉलोनियों, सड़कों और निचले इलाकों में भी पानी भर गया है। देवेंद्र यादव ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर भाजपा की दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा हथिनी कुंड से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बावजूद, रेखा गुप्ता सरकार ने कोई पूर्व-रणनीति नहीं बनाई, जबकि कांग्रेस लगातार हरियाणा से सीमित मात्रा में पानी छोड़ने का आग्रह कर रही थी।

प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं लोग

देवेंद्र यादव ने कहा कि यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना किनारे बसे लोगों को जो परेशानी हो रही है, वह भाजपा सरकार और प्रशासन की लापरवाही का सीधा परिणाम है। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत की व्यवस्थाएं समय पर की जानी चाहिए, क्योंकि समय निकल जाने के बाद किसी भी तरह का समाधान या व्यवस्था बेमानी हो जाती है। यादव ने कहा कि लोग खुद ही अपने बचाव का इंतजाम कर रहे हैं, जबकि सरकार की ओर से अभी तक कोई भी बचाव और राहत कार्य शुरू नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री पर सिर्फ घोषणाएं करने का आरोप

यादव ने मुख्यमंत्री पर केवल घोषणाएं करके औपचारिकताएं पूरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इस दौरान देवेंद्र यादव के साथ पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, भीष्म शर्मा, जिला अध्यक्ष आदेश भारद्वाज, राजकुमार जैन, डॉ. पी.के. मिश्रा, अनुज अत्रय, सुरेश चौहान, देवा नंद चौधरी, कुलदीप भाटी और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। इन सभी ने मिलकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। कांग्रेस ने सरकार से अपील की है कि वह जल्द से जल्द राहत और बचाव कार्य शुरू करे और बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराए।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 'आप' का आह्वान, देशभर में चलेंगे अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में आई भीषण बाढ़ से उत्पन्न त्रासदी को देखते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने देशभर के अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है। 'आप' के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पंजाब सरकार मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पूरी तरह से राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक से लेकर पार्टी के हजारों वालंटियर्स प्रभावित लोगों तक हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पंजाब और सिख समुदाय ने हमेशा दुनिया को नि :स्वार्थ सेवा और सहयोग का संदेश दिया है। चाहे प्राकृतिक आपदा हो या युद्ध जैसी परिस्थिति, सिख समाज सबसे पहले पीड़ितों की मदद के लिए खड़ा होता है और गुरुद्वारों में लंगर लगाकर राहत पहुंचाता है। अब समय है कि हम सब भी उनसे प्रेरणा लेकर सेवा के इस कार्य में शामिल हों। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि इंसानियत के नाते सभी को मिलकर पंजाब के लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए। 'आप' के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि पंजाब के कई जिले, हजारों गांव, लाखों परिवार और अनगिनत पशु इस बाढ़ की चपेट में आए हैं। राज्य सरकार और कई सामाजिक संगठन मिलकर राहत कार्य चला रहे हैं, लेकिन नुकसान बहुत व्यापक है। पंजाब के लोग हमेशा दूसरों की मदद करते हैं, इसलिए इस समय पूरे देश का कर्तव्य है कि वे पंजाब की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि इस आपदा में राशन से ज्यादा जरूरत मच्छरदानियों, तिरपाल, दवाइयों और बच्चों के कपड़ों जैसी चीजों की है, क्योंकि बाढ़ का पानी घरों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा चुका है। राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया कई हफ्तों तक चलेगी। आम आदमी पार्टी ने निर्णय लिया है कि देशभर के सभी 'आप' के कार्यालयों को पंजाब राहत अभियान का केंद्र बनाया जाएगा। वहां से आवश्यक सामग्री एकत्रित कर पीड़ितों तक पहुंचाई जाएगी।

दिल्ली की सड़कों पर 35 साल बाद दौड़ेंगी डबल-डेकर बसें, नई पीढ़ी को मिलेगा आधुनिक सफर का अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में परिवहन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। करीब 35 साल बाद एक बार फिर से दिल्ली की सड़कों पर डबल-डेकर बसें उतरने जा रही हैं। शाहदरा जिला भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिमी दिल्ली के पूर्व सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा ने जानकारी दी कि दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने नई योजनाओं पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है।

गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई और प्रदूषण जैसे क्षेत्रों में लगातार कदम उठाने के साथ अब परिवहन क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। देवी बस योजना की सफलता के बाद अब सरकार ने राजधानी में डबल-डेकर बसों को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। सूरा ने बताया कि वर्ष 1989 तक दिल्ली की सड़कों पर डबल-डेकर बसें चलती थीं। उस समय लोग विशेषकर ऊपरी मंजिल पर बैठकर सफर का अलग ही आनंद लेते थे। लेकिन प्रदूषण और रखरखाव की कठिनाइयों के चलते इन्हें बंद करना पड़ा था। अब इलेक्ट्रिक तकनीक और आधुनिक डिजाइनों के साथ ये बसें एक बार फिर वापसी करने जा रही हैं।नई डबल-डेकर बसों में कई आधुनिक सुविधाएं होंगी। इन बसों की ऊंचाई 4.75 मीटर और लंबाई 9.8 मीटर होगी। इसमें 63 सीटों की क्षमता होगी, जो सामान्य बसों की तुलना में अधिक है। यात्रियों की सुविधा के लिए बसें पूरी तरह एसी होंगी और इनमें ऊपर जाने के लिए सीढ़ियों की व्यवस्था रहेगी। खास बात यह है कि इन बसों को नारंगी रंग में उतारा जाएगा, ताकि ये दिल्ली की क्लस्टर सर्विस बसों से तालमेल बैठा सकें। फिलहाल दिल्ली की पहली इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बस ओखला डिपो में खड़ी है और जल्द ही इसका ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। माना जा रहा है कि ट्रायल सफल होने के बाद राजधानी की सड़कों पर इन बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।सूरा ने कहा कि डबल-डेकर बसों की वापसी से जहां नई पीढ़ी को आरामदायक और पर्यावरण-अनुकूल सफर का अनुभव मिलेगा, वहीं पुरानी पीढ़ी अपने बीते दिनों की यादें ताजा कर सकेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग अब महसूस कर रहे हैं कि राजधानी में ट्रिपल इंजन सरकार जनता के हित में लगातार काम कर रही है और आने वाले समय में इसका असर और गहराई से दिखाई देगा।

'आप' विधायकों की पुलिस कमिश्नर से मुलाकात, लूट, छिनैती, हत्या और रंगदारी के मामलों को उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को अपराध की राजधानी कहे जाने के कलंक से मुक्त कराने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पुलिस कमिश्नर से मिला। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ''आप'' के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं विधायक सौरभ भारद्वाज ने किया। मुलाकात के दौरान राजधानी में बढ़ते अपराधों - लूट, छिनैती, हत्या और रंगदारी के मामलों को प्रमुखता से उठाया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में अपराधों के बढ़ने की एक बड़ी वजह खुलेआम बिक रहा सूखा नशा है। उन्होंने बताया कि पुलिस कमिश्नर ने इस समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए जल्द नए कदम उठाने का आश्वासन दिया है। भारद्वाज ने कहा, 'आज दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सूखा नशा बेचा जा रहा है, जिसकी वजह से अपराध का ग्राफ बढ़ा है। पुलिस कमिश्नर ने भरोसा दिलाया है कि इस पर रोक लगाने के लिए ठोस रणनीति बनाई जाएगी।' बैठक में ''आप'' विधायक अनिल झा और पार्षद गगन पर हुए हमले का मुद्दा भी उठाया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अनिल झा पर उनके जन्मदिन के दिन ही हमला हुआ, जिसमें उनके परिवार को भी निशाना बनाया गया। इसके बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई।' उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह बुराड़ी के ''आप'' पार्षद गगन पर एमसीडी जोन चेयरमैन ऑफिस में एक ऐसे शख्स ने हमला किया, जिस पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं और जिसे दिल्ली पुलिस ने तड़ीपार किया हुआ है। इसके बावजूद वह दिल्ली में घुसकर हमले को अंजाम देकर फरार हो गया। भारद्वाज ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है तो ''आप'' कोर्ट का रुख करेगी। बैठक के दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने स्थानीय अपराध संबंधी मुद्दे उठाए, वहीं कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने अपने क्षेत्र में हो रही नशे की बिक्री और हत्या के मामलों पर चिंता जताई। संजीव झा ने बुराड़ी इलाके की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि पुलिस कमिश्नर के साथ बातचीत बेहद सकारात्मक माहौल में हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर ने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ''आप'' विधायकों से सहयोग मांगा है, जिस पर पार्टी ने पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया है। भारद्वाज ने कहा, 'हमारी कोशिश है कि दिल्ली में अपराध कम हो और राजधानी को क्राइम कैपिटल कहे जाने के कलंक से मुक्ति मिले।'

दिल्ली में छाए रहे बादल, कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को आसमान पर बादल छाए रहे, साथ ही दक्षिण, दक्षिण-पूर्व, मध्य और उत्तरी भागों में हल्की बारिश भी हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने अद्यतन पूर्वानुमान में कहा कि आने वाले घंटों में दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है, हालांकि अब तक कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। दिल्ली में सोमवार को रुक-रुककर बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे तक यहां के प्रमुख मौसम केंद्र ने 37.8 मिमी वर्षा दर्ज की, जबकि लोधी रोड पर 35.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। अन्य केंद्रों पर इससे अधिक वर्षा दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, आयानगर में 95 मिमी और पालम में 57.4 मिमी बारिश हुई।

दिल्ली में बाढ़ का खतरा: यमुना खतरे के निशान से आधा मीटर ऊपर, निचले इलाके जलमग्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में यमुना नदी एक बार फिर उफान पर है और बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से लगातार भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.68 मीटर पर पहुंच गया है। इसके चलते निचले इलाकों में पानी घुसना शुरू हो गया है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है और वे सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

सोमवार सुबह हथिनी कुंड बैराज से लगभग 3 लाख 29 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, जो इस मानसून में अब तक की सबसे बड़ी मात्रा है। इस पानी के दिल्ली पहुंचने के साथ ही हालात तेजी से बिगड़ने लगे हैं। यमुना के किनारे बसे रिहायशी इलाकों की गलियों और कई घरों के निचले हिस्सों में पानी भर गया है, और सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार शाम 5 बजे ही पुराने यमुना पुल (लोहा पुल) को यातायात के लिए बंद कर दिया था।

प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी करते हुए यमुना के आसपास के क्षेत्रों में राहत कैंप सक्रिय कर दिए हैं। निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 15,000 लोगों में से 5,000 लोग सीधे तौर पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बसे हुए हैं। अधिकारियों ने इन लोगों से सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की अपील की है। यमुना किनारे बसे तिब्बतन कॉलोनी के पास रहने वाले शिव शंकर शर्मा जैसे कई परिवार अपना सामान समेटकर सुरक्षित ठिकानों की ओर जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह हर साल की समस्या बन गई है जो उन्हें अपना घर छोड़ने पर विवश कर देती है। यह स्थिति पिछले साल 2023 की भयावह बाढ़ की याद दिला रही है, जब यमुना का जलस्तर रिकॉर्ड 208.66 मीटर तक पहुंच गया था और कई पॉश इलाकों में भी 8-8 फुट तक पानी भर गया था। अधिकारियों का अनुमान है कि मंगलवार शाम तक यमुना का जलस्तर 206 मीटर के निकासी स्तर तक पहुंच सकता है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। दिल्ली के अलावा, आगरा में भी यमुना नदी रौद्र रूप दिखा रही है, जहां पानी अलर्ट लेवल से ऊपर है और ताजगंज श्मशान घाट समेत कई घाट जलमग्न हो गए हैं।

इस बीच, मौसम विभाग ने भी चिंता बढ़ा दी है। विभाग ने सितंबर में मानसून के सक्रिय रहने और कई इलाकों में सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को भी रुक-रुक कर बारिश होती रही। बाढ़ के खतरे का सामना कर रहे लोगों का आरोप है कि हर साल चेतावनियां तो जारी होती हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर राहत और मदद अक्सर देर से पहुंचती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं।

जापानी पर्यटक से 1000 रु रिश्वत लेने का वीडियो वायरल, गुरुग्राम में तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम पुलिस की छवि पर बड़ा सवाल उठ गया है। एक जापानी टूरिस्ट ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर आरोप लगाया कि ट्रैफिक चेकिंग के दौरान उससे रू.1000 बिना रसीद लिए गए। वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। वीडियो सामने आते ही डीसीपी ट्रैफिक डॉ. राजेश मोहन ने सख्त कदम उठाए। उन्होंने एक जोन ऑफिसर, एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया। जापानी पर्यटक ने पूरा वाकया अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में दिख रहा है कि उससे रू.1000 की रकम ली गई, लेकिन कोई चालान या रसीद नहीं दी गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस पर दबाव बढ़ा। फिलहाल, गुरुग्राम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ को लेकर विपक्ष के नेता ने गृह मंत्री से की मुलाकात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने हाल ही में जम्मू क्षेत्र में बादल फटने, भारी बारिश और बाढ़ से हुए भारी नुकसान के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजभवन, जम्मू में मुलाकात की। शर्मा ने गृह मंत्री को बताया कि इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, पशुधन नष्ट हुआ है और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़कों के बह जाने से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं, जबकि बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं ठप हो चुकी हैं। शर्मा ने इस संकट से जूझ रहे प्रभावित लोगों के लिए केंद्र सरकार से तत्काल राहत एवं पुनर्वास की मांग की। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष केंद्रीय टीमों के गठन की मांग की ताकि पारदर्शी ढंग से सर्वेक्षण हो और वास्तविक जरूरतों के अनुसार सहायता दी जा सके। शर्मा ने तत्काल राहत पैकेज की आवश्यकता बताई, जिसमें वित्तीय सहायता, अस्थायी आश्रय, खाद्य सामग्री और बुनियादी सेवाओं की बहाली शामिल हो। उन्होंने सड़कों, बिजली और जल आपूर्ति जैसी क्षतिग्रस्त बुनियादी सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए दीर्घकालिक योजना पर बल दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ है और सभी जरूरी कदम समय पर उठाए जाएंगे। यह मुलाकात आपदा से निपटने के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

लगातार आठवां दिन स्थगित रही श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा मंगलवार को भी भी स्थगित रही। यह लगातार आठवां दिन था जब यात्रा रोकी गई थी। लगातार बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण एहतियात के तौर पर कटरा से यात्रा रोक दी गई है। खराब मौसम और भूस्खलन की वजह से सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। बात दें कि प्रशासन और श्राइन बोर्ड के अधिकारी स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं और क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत का काम चल रहा है। 27 अगस्त को हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत के बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना की जांच के लिए एक तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति दो हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जम्मू-कश्मीर का दौरा कर बाढ़ और पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की है।

यात्रा कब शुरू हो सकती है?

अभी यात्रा फिर से शुरू होने की कोई निश्चित तारीख़ नहीं जाहिर की गई है। यह पूरी तरह से मौसम की स्थिति और मरम्मत कार्यों के पूरा होने पर निर्भर करेगा। जैसे ही हालात सुरक्षित होते हैं, अधिकारियों द्वारा यात्रा फिर से शुरू करने की घोषणा की जाएगी। आप यात्रा से जुड़ी नई जानकारी के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया चैनलों पर नज़र रख सकते हैं।

एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही इंडिगो विमान से टकराया पक्षी, वापस लौटा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान मंगलवार सुबह उड़ान भरते ही पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। इसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई। बता दें इससे पहले रविवार को दिल्ली से इंदौर जाने वाले एयरइंडिया के विमान भी वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक पायलट्स को उड़ान भरने के बाद ही दूसरे नंबर के इंजन में आग लगने के संकेत मिले थे। इसके बाद एटीसी ने इमर्जेंसी का ऐलान किया और विमान को वापस लौट लिया। विमान के लैंड करने से पहले ही फायर और राहत-बचाव टीमें तैयार थीं। यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान का इंतजाम किया गया। डीजीसीए भी इस घटना की समीक्षा करेगा। वहीं पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान में आग लगने के संकेत क्यों मिले थे।

बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में किया प्रवेश तो होगी 5 साल जेल

केंद्र सरकार ने लागू किया नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में रह रहे या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले विदेशियों के लिए सख्त कानून सोमवार से लागू हो गया। भारत सरकार के नए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में प्रवेश करने पर पांच साल जेल और पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। नए नियम के मुताबिक यदि प्रवेश, निवास या निकास जाली पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के आधार पर की गई है तो 2 से 7 साल की जेल और 1 लाख से 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना होगा। भारत सरकार का यह नया कानून 1 सितंबर 2025 से लागू हो गया है। केंद्र ने इसे संसद के बजट सत्र में पारित होने के बाद अधिसूचित किया है।

सरकार द्वारा लाए गए नए कानून इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 ने चार पुराने कानूनों- फॉरेनर्स एक्ट, 1946, पासपोर्ट (एंट्री इनटू इंडिया) एक्ट, 1920, रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेनर्स एक्ट, 1939 और इमिग्रेशन (कैरियर्स लायबिलिटी) एक्ट, 2000 निरस्त कर दिया है। सभी कानून इस कानून में समाहित हैं। इसका उद्देश्य विदेशियों के प्रवेश, निवास और प्रस्थान को नियंत्रित करने के लिए एक मजबूत और एकीकृत ढांचा तैयार करना है। यह कानून भारत की सीमाओं की सुरक्षा और अवैध एमीग्रेसन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम है।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर एक्ट 2025 के नियम 1 सितंबर से लागू हुए, अप्रैल 2025 में यह बिल संसद में पारित हुआ था। इस बिल के तहत ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को विदेशी नागरिकों की भारत में स्क्रूटनी और उन पर कार्रवाई के कानूनी अधिकार दिए गए हैं। इस बिल के तहत नियमों का उल्लंघन कर भारत में आए विदेशी नागरिकों को तुरंत डिपोर्ट करने के लिए ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के पास संवैधानिक अधिकार होगा और वह संबंधित राज्यों से कोआर्डिनेट करेगा। यही नहीं इन नियमों के तहत अवैध तरीके से जिस संस्थान में चाहे वह होटल हो शिक्षण संस्थान हो या फिर और कुछ भी, वहां विदेशी नागरिकों की आवाजाही हो तत्काल प्रभाव से उसका रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जाएगा।

विदेशी नागरिकों का डेटाबेस राज्य सरकार बरकरार रखेगी। समय-समय पर यह ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन जानकारी देती रहेंगी। भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले विदेशी नागरिक जो कि भारतीय वीजा और पासपोर्ट की आड़ में भारत में रहते हैं, उन पर लगाम लगाने यह बिल लाया गया था। गृह मंत्रालय ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है और तत्काल प्रभाव से यह नियम लागू होंगे। कानून के तहत सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को विदेशी छात्रों का विवरण पंजीकरण अधिकारियों के साथ साझा करना जरुरी है। इसी तरह अस्पतालों, नर्सिंग होम और आवास सुविधा वाले चिकित्सा संस्थानों को भी विदेशी मरीजों की जानकारी देनी होगी। केंद्र सरकार को अब विदेशियों के प्रवेश, प्रस्थान या आवाजाही को प्रतिबंधित करने, उनके बायोमेट्रिक्स लेने और विशिष्ट गतिविधियों में उनकी भागीदारी पर रोक लगाने का अधिकार है।

नए कानून का मकसद अवैध आव्रजन,

मानव तस्करी और जाली दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकना है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अहम है, जहां सीमा पार से अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आती हैं, जैसे पश्चिम बंगाल, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और विदेशियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के लिए बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल में जावेद अख्तर का विरोध, रोकना पड़ा मुशायरा

कोलकाता (एजेंसी)। मशहूर फिल्म गीतकार जावेद अख्तर पर अल्पसंख्यक विरोधी बयान देने का आरोप पश्चिम बंगाल जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लगाया है। जिसके चलते पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी को अपना चार दिन का सांस्कृतिक कार्यक्रम पोस्टपोन करना पड़ा। बता दें इस कार्यक्रम के लिए गीतकार जावेद अख्तर को आमंत्रित किया गया था, तभी से उनका विरोध किया जा रहा था। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख इस समय टीएमसी नेता सिद्दीकुल्लाह चौधरी हैं। वह पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री भी हैं। बता दें कि शनिवार को ही अकादमी में हिंदी सिनेमा में उर्दू नाम का कार्यक्रम शुरू हुआ था। इस इवेंट में पॉप्युलर कल्चर में उर्दू के महत्व को रेखांकित किया जाना था। वहीं जावेद अख्तर को मुशायरे की अध्यक्षता करने के लिए बुलाया गया था। अकादमी ने कार्यक्रम को पोस्टपोन करने का ऐलान किया है हालांकि इसके पीछे की वजह नहीं बताई है। जमीत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से अकादमी को पत्र लिखकर कहा गया था कि जावेद अख्तर की उपस्थिति से अल्पसंख्यक समुदाय आहत हो सकता है। पत्र में कहा गया कि जावेद अख्तर इस्लाम को लेकर अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदाय उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की स्थापना 1987 में हुई थी। उस समय पश्चिम बंगाल में वामपंथी सरकार थी। पश्चिम बंगाल में जमीयत के महासचिव मुफ्ती अब्दुस सलाम ने कहा कि जावेद अख्तर ने इस्लाम का अपमान किया है और इसलिए वे उनका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, जावेद अख्तर प्रसिद्ध व्यक्ति हैं और उर्दू में उनका योगदान भी महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने इस्लाम को लेकर टिप्पणी करके गलत किया। जब लोगों को पता चला कि जावेद अख्तर को बुलाया गया है तो विरोध शुरू हो गया। वैसे भी पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी अल्पसंख्यकों के लिए ही है। ऐसे में उसे अल्पसंख्यकों की भावनाओं की भी कद्र करनी होगी।

जयपुर के रामगढ़ बांध में कृत्रिम बारिश कराने का प्रयास सफल, 0.8 मिमी बारिश दर्ज

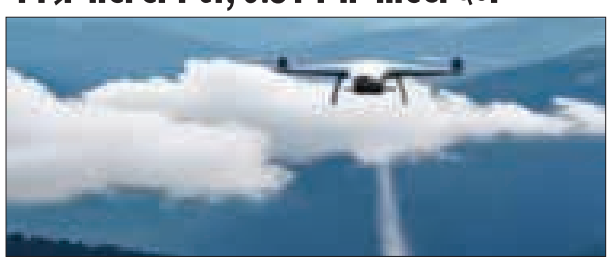

-कंपनी का दावा- मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में जयपुर जिले के रामगढ़ बांध में सोमवार को कृत्रिम बारिश कराने का तीसरा प्रयास सफल रहा। एक्सेल-1 कंपनी ने हाइड्रोट्रेस प्लेटफॉर्म और स्वदेशी ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए यह प्रयोग किया गया। इससे पहले 12 और 18 अगस्त को भी प्रयास किए गए थे जो विफल रहे। तीसरे प्रयास में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। कंपनी ने दावा किया कि यह सफलता भारत में मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रयोग में एआई-संचालित तकनीक का इस्तेमाल किया गया, जिसने क्लाउड माइक्रो फिजिक्स को बेहतर बनाया। क्लाउड सीडिंग के दौरान सिल्वर आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड और ड्राई आइस जैसे रसायनों को बादलों में छोड़ा गया, जिससे नमी वाली सूक्ष्म बूंदें भारी होकर बरसीं। 12 अगस्त को तकनीकी समस्या के कारण ड्रोन का जीपीएस सिस्टम प्रभावित हुआ और प्रयोग बीच में ही रुक गया। 18 अगस्त को दूसरा प्रयास भी नाकाम रहा क्योंकि ड्रोन नियंत्रण खो बैठा और खेतों में जा गिरा।

वहीं 1 सितंबर को तीसरे प्रयास में तकनीकी खामियों को दूर किया गया और तीसरा प्रयोग सफल रहा और बांध पर हल्की बारिश दर्ज की गई। रामगढ़ बांध क्षेत्र में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी हल्की फुहारें पड़ीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और गांव दोनों जगह इंच भर बारिश हुई, हालांकि कंपनी ने इसे सीमित सफलता मानते हुए 0.8 मिमी आंकड़ा बताया है।

वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस उपलब्धि को राजस्थान के जल प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह मेक इन इंडिया नवाचार भारत की जलवायु सहनशीलता और आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा।

हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की मांग को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश देने की बात कही गई थी ताकि लोग एसआईआर के बाद तैयार बिहार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। कोर्ट ने कहा कि आधार की स्थिति को कानून में तय सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की युगल पीठ ने पहले कहा था कि वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य दस्तावेजों के साथ आधार एक पहचान दस्तावेज हो सकता है।

वहीं, सोमवार को कोर्ट ने कहा कि आधार वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेजों में से एक होगा। जब राजद के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग कोर्ट के आदेश के बावजूद मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों के लिए आधार को पहचान के एकमात्र प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं कर रहा

है, तो पीठ ने कहा कि हम आधार अधिनियम द्वारा तय सीमा से आगे आधार की स्थिति नहीं बढ़ा सकते हैं। हम पुट्टस्वामी फैसले में आधार को बरकरार रखते हुए पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा कही गई बातों से भी आगे नहीं जा सकते हैं।

आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण, अपने आप में किसी आधार संख्या धारक के संबंध में नागरिकता या निवास का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा या उसका प्रमाण नहीं होगा। सितंबर 2018 के पुट्टस्वामी मामले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच-जजों की बेंच ने कहा था कि आधार संख्या अपने आप में नागरिकता या निवास के अधिकार का प्रावधान नहीं करती है।

जब राजनीतिक दलों समेत अन्य याचिकाकर्ताओं के वकील आधार को पहचान के बायोमेट्रिक प्रमाण से बढ़ाकर मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए नागरिकता का प्रमाण बनाने की मांग में शामिल हुए, तो पीठ ने पूछा कि आधार पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है।

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट ने कहा कि आधार के लिए बार-बार दलील इसलिए दी जा रही है क्योंकि बिहार में कुछ जिले ऐसे हैं जहां आधार सैचुरेशन 140 फीसदी है। इसका मतलब है कि वहां बड़े पैमाने पर फर्जी पहचान पत्रों का प्रचलन है। केंद्र ने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे अवैध बांग्लादेशी प्रवासी और रोहिंग्या कुछ राज्यों में धोखाधड़ी से आधार कार्ड बनवाने में कामयाब रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और बूथ स्तर के एजेंटों को सक्रिय करें ताकि वे उन लोगों की पहचान कर सकें जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। ऐसे लोगों को चुनाव आयोग के बूथ स्तर के अधिकारियों के समक्ष दावा दायर करने में मदद करें ताकि उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर हमला... पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। सांसद मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि वे पंजाब के पैसों का दुरुपयोग अपनी निजी मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं, जबकि राज्य में लोग बाढ़ की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। मालीवाल ने दावा किया है कि पंजाब सरकार केजरीवाल के पालतू गुंडे बिभव कुमार के वेतन, भत्ते और जेड प्लस सुरक्षा पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं है और न ही यह आप के नेताओं के लिए शरणस्थली है। मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि जब पंजाब में इतनी बड़ी आपदा आई है, तो वह लोगों के साथ ज़मीन पर नहीं हैं, जबकि छोटे-मोटे कार्यक्रमों के लिए वह पंजाब के राजाओं की तरह घूमते हैं। उन्होंने केजरीवाल से पंजाब के प्राइवेट जेट और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल अपने निजी मनोरंजन और टैक्सी की तरह करना बंद करने को कहा। उनके अनुसार, पंजाब के करोड़ों रुपये पहले ही उनकी विलासिता पर बर्बाद हो चुके हैं।

पंजाब के किसान चिंता नहीं करें, केंद्र बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ: शिवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में बैठक कर कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा की। उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश की जानकारी ली। उन्होंने पंजाब के कुछ इलाकों में आई बाढ़ व फसलों पर इसके असर के बारे विस्तारपूर्वक अधिकारियों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भाई-बहन बिल्कुल चिंता नहीं करें, केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में प्रभावित किसानों के साथ खड़ी हैं। चौहान ने कहा कि वे आगामी दिनों में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे और मौके पर पीड़ित किसानों से भी मिलकर उनकी हरसंभव मदद की कोशिश करेंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर में कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि खरीफ बुवाई क्षेत्रफल में

पिछले वर्ष के मुकाबले आशाजनक वृद्धि हुई है। खाद्यान्न फसलों के साथ ही बागवानी क्षेत्र की प्रगति के बारे में भी चौहान ने जानकारी ली। विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर के उत्पादन की स्थिति और कीमतों के बारे में उन्होंने जानकारी हासिल की। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश और जलाशयों की स्थिति के बारे में भी बताया, जिसमें कहा गया कि कई राज्यों में इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई, जो फसलों के लिए लाभदायक स्थिति है। अच्छी बारिश से जलाशय भरे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि खाद्यान्न फसलों के साथ ही किसानों को बागवानी सहित इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि किसानों को अधिक लाभ हो सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य की मांग के मद्देनजर हमें खेतों में अनाज के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास करना होगा। बागवानी और 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग÷ इस दिशा में कारगर उपाय है। उन्होंने 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल' के किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी निर्देशित किया।

प्रधानमंत्री मोदी चीन के सामने झुके, राष्ट्रहित से किया समझौता: जयराम रमेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चीन को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हुई मुलाकात भारत के लिए चिंता का विषय है और यह मुलाक़ात राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात साबित हुई है।

जयराम रमेश ने बयान में कहा कि लंबे समय से भारत, चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड और दोहरी भाषा अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन तियानजिन वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी से कहा कि भारत और चीन दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। कांग्रेस नेता ने इसे देश की झुकने वाली विदेश नीति करार देते हुए कहा- अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है?

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत का खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बातचीत में इस मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं कहा। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी को सीधे-सीधे घेरते हुए कहा, ÷स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया था। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके कायरतापूर्ण दंभ के लिए बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस ने मोदी सरकार की चीन नीति को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री की ढील और चुप्पी से भारत की सुरक्षा और सम्मान पर गहरा आघात हुआ है। पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार लगातार चीन के दबाव में काम कर रही है और वास्तविकता को देश की जनता से छिपाया जा रहा है।

आधे भारत में भारी बारिश का अलर्ट, कई राज्यों में स्कूलों की करना पड़ी छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधे भारत के ज्यादातर राज्यों में सितंबर की शुरुआत भारी बारिश के साथ हुई है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सोमवार सुबह से शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। इस वजह से सड़कों पर लंबा जाम लग गया और लोग जगह-जगह जलभराव की समस्या से जूझते हुए भी नजर आए। नोएडा और गुरुग्राम में लोग कई घंटों तक जाम में फंसे रहे। इसी स्थिति और मौसम विभाग के अलर्ट को ध्यान में रखते हुए आज कई जिलों में स्कूल बंद रहेंगे।

पिछले कई दिनों से जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ से हालात खराब हैं। कई इलाकों में बादल फटने की घटनाएं भी देखी गईं। मौसम की स्थिति को देखते हुए 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। उत्तराखंड के चमोली में भी आज 1 से 12वीं तक की कक्षाएं समेत आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित की गई है। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के भी यही हाल हैं। पंजाब की मान सरकार ने भारी बारिश के अलर्ट के चलते 3 सितंबर 2025 तक स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 3 सितंबर 2025 तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम को देखते हुए कई जिलों में 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, रायबरेली और अलीगढ़ के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, संभल, बदायूं और आस-पास के इलाकों में आज भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में सोमवार सुबह शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। आज भी कई जगहों पर बारिश का अलर्ट है। मौसम और शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों को आज बंद रखने का फैसला लिया गया है। गुरुग्राम प्रशासन ने स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेस और ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है। बीती शाम को बारिश और जलभराव की वजह से गुरुग्राम में 5-5 किमी जाम की समस्या हो गई थी। इसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है।

बाइक सवार नदी में बहा, लोगों ने बचाया

गाजियाबाद में कल, मथुरा में 4 तक बंद रहेंगे स्कूल

लखनऊ। वाराणसी, गाजियाबाद समेत यूपी के 20 शहरों में बारिश हो रही है। लखनऊ-वाराणसी में दिन में अंधेरा छा गया। इसके बाद जोरदार बारिश हुई। शाहजहांपुर एक ई-रिक्शा सड़क पर गड्ढों में फंसकर पलट गया। लखीमपुर में शारदा नदी डेंजर लेवल को पार कर गई है। यहां एक बाइक सवार बह गया। लोगों ने कड़ी मशक्कत से उसे बचाया। मथुरा में यमुना नदी उफान पर है। नदी से करीब 600 मीटर वृंदावन परिक्रमा मार्ग तक पानी पहुंच गया है। बाढ़ में भी श्रद्धालु लेटकर यहां परिक्रमा कर रहे हैं। वृंदावन में जहां यमुना की बाढ़ है, वहां से बांके बिहारी मंदिर की दूरी 400 मीटर है। बाढ़ से करीब 900 परिवार प्रभावित हैं। आगरा में यमुना एक बार फिर उफान पर है। नदी पानी ताजमहल की बाउंड्री तक पहुंच गया है। वहीं, कैलाश घाट, बल्केश्वर घाट, हाथी घाट और दहशरा घाट की सीढ़ियां सहित शमशान घाट के 8 चिता स्थल डूब गए हैं। यमुना का जलस्तर डेंजर लेवल से 2 फीट ऊपर हो गया है। पीलीभीत में देवहा और शारदा नदी का पानी आबादी वाले इलाकों में घुसने लगा है। इसके चलते पीलीभीत-टनकपुर हाईवे डूब गया है। ऑफिसर्स कॉलोनी में अधिकारियों के घरों में चार फीट तक पानी भर गया। हालात बिगड़ने पर अधिकारियों ने अपने घर खाली कर होटल में शरण ली। सहारनपुर में हथिनीकुंड बैराज ओवरफ्लो हो गया। 4 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके चलते यमुना नदी उफान गई। इसी बीच, जान जोखिम में डालकर नदी से 5 क्विंटल का पेड़ निकालने का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा कि बहकर आ रहे पड़े को निकालने के लिए 7 युवक को नदी में कूद जाते हैं, फिर किसी तरह से पेड़ नदी किनारे लाते हैं। बारिश के चलते हापुड़-गाजियाबाद में कल, 3 सितंबर और मथुरा में 3 और 4 सितंबर को 12वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। आज 25 जिलों में भारी बरसात का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया- अगस्त में सामान्य बारिश हुई। अब मानसून अपने अंतिम चरण में है, जिससे अगले 4 दिनों तक जोरदार बारिश की संभावना है। अगले 4 दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में 64 जिलों में औसतन 21.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 7.1 मिमी से 208% ज्यादा है। प्रदेश में अब तक 601 मिमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग ने भी पूरे सीजन के लिए लगभग 601 मिमी बारिश का अनुमान जताया था। यानी कोटे के बराबर बारिश अब तक हो चुकी है। लखीमपुर के पलिया क्षेत्र के भीरा रेलवे ट्रैक के नीचे से पानी का रिसाव शुरू हो गया है। शारदा नदी के तेज बहाव ने रेल लाइन के बड़े हिस्से को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। ट्रैक की खतरनाक स्थिति को देखकर यात्रियों में चिंता और दहशत का माहौल बना हुआ

है। हापुड़ में लगातार हो रही बारिश के कारण डीएम अभिषेक पांडेय ने बुधवार को कक्षा-12 तक के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दरअसल पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात बाधित है। पीलीभीत में 24 घंटे में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। अब तक 12 एमएम बारिश हो चुकी है। कलेक्ट्रेट परिसर में पानी भर गया। यहां देवहा नदी उफान पर है। ईदगाह रोड पर 3 से 4 फीट पानी भर गया है। पुलिस ने बैरियर लगाकर आवागमन को बंद कराया है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले तीन दिन तक ऐसे मौसम बना रहेगा। गाजियाबाद में मंगलवार दोपहर 4 घंटे तेज बारिश हुई। इससे कलेक्ट्रेट में एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। शाहजहांपुर में बारिश के चलते निगोही में हमजापुर चौराहे के पास सड़क की स्थिति खराब हो गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। मंगलवार को एक ऑटो गड्ढों में फंसकर पलट गया। घटना में ऑटो में सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं। इसके अलावा कई बाइक सवार भी गड्ढों में गिरकर चोटिल हुए। स्थानीय लोगों ने वहां से गुजर रहे वाहनों को रोककर सुरक्षित निकलने में मदद की। हमजापुर चौराहा व्यस्त यातायात वाला क्षेत्र है। यहां से आने-जाने के लिए अलग-अलग मार्ग बने हैं। हाइवे पर बने गड्ढे लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। मंगलवार को हुई बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लंबे समय से वे इन गड्ढों से होकर यात्रा करने को मजबूर हैं। अधिकारियों को बरसात और गड्ढों की समस्या की जानकारी है। फिर भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बारिश के दौरान यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। मथुरा में भारी बारिश और बाढ़ को देखते हुए 3 और 4 सितंबर को स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। डीएम ने बताया, कक्षा 1 से 12वीं तक सभी बोर्ड के स्कूल बंद रहेंगे। लखीमपुर खीरी में बनबसा बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण शारदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। पलिया में शारदा नदी का पानी खतरे के निशान से 11 सेमी ऊपर बह रहा है। तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आजादनगर और बर्बाद नगर में शारदा का पानी घुस चुका है। पलिया कस्बे को मुख्यालय से जोड़ने वाले भीरा स्टेट हाईवे के रपटा पुल पर पानी सड़क के ऊपर बह रहा है। इससे आवागमन असुरक्षित हो गया है। तेज बहाव में एक बाइक सवार बहते-बहते बचा। स्थानीय लोगों की सक्रियता से उसकी जान बची। मिजार्पुर में लगातार बारिश के चलते मंगलवार को चुनार तहसील क्षेत्र स्थित अहरौरा डैम का जलस्तर बढ़ गया। रजट राजेश कुमार वर्मा ने बताया, डैम छोटा होने और डोंगिया जलाशय पूरा भर जाने के कारण मंगलवार को डैम के छह फाटक एक फीट तक खोल दिए गए हैं। शाम करीब 5 बजे के आसपास फाटक को 7 से 8 इंच तक करने की संभावना है, जिससे बरसात का पानी आसानी से बाहर निकल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी छोड़े जाने से किसी प्रकार का खतरा नहीं है। गाजियाबाद में भारी बारिश के चलते कल, 3 सितंबर को कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के सभी स्कूल व कॉलेज, शिक्षण संस्थान बंद करने का आदेश जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। जिलाधिकारी रविंद्र मांदड के निर्देश पर बीएसए ओपी यादव ने अवकाश घोषित किया है। पीलीभीत में बारिश से कलेक्ट्रेट परिसर के पास बने अधिवक्ताओं के चैंबरों में पानी भर गया। चैंबरों में रखी फाइलें और सामान भीग गए। अधिवक्ताओं ने पानी में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। अमेठी में भारी बारिश से सड़कें डूब गई हैं। यहां कोतवाली, तहसील, रजिस्ट्री ऑफिस और एसडीएम आवास में 2 से 3 फीट पानी भरा है। बारिश के बाद तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बस्ती में सुबह से बारिश हो रही है। दोपहर 2 बजे तक जिले में 5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश से रामेश्वरपुरी, बभनगांवा, कंपनीबाग आवास विकास, जिला अस्पताल, पुरानी बस्ती, तुर्कहिया और मंगलबाजार में जलभराव हो गया। स्थानीय निवासी प्रिया मल्ल, प्रीति सिंह और दिनेश कुमार ने नगर निकाय की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल उठाए। घरों और दुकानों के सामने पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। संभल में मंगलवार को एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया। बारिश से शहर के अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

संक्षिप्त डायरी

सड़कों का लोकार्पणः कुशीनगर का विकास सरकार की प्राथमिकताःपीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। विधायक कुशीनगर पीएन पाठक ने विधायक निधि से निर्मित बकनहा और तुर्कावलिया दरिवाय सिंह में आरसीसी सड़क का लोकार्पण वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गय । सोमवार को आयोजित लोकार्पण समारोह में विधायक श्री पाठक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य हो रहे हैं।क्षेत्र का विकास सर्वोच्य प्राथमिकता है। भाजपा सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है।प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में बनी सरकार विश्व पटल पर भारत को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री योगी की सरकार ने प्रदेश के विकास में कई योजनाएं संचालित कर अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष किन्ननरेश चौबे, आद्या पांडेय, अमरजीत कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, अमरनाथ कुशवाहा, दिनेश सिंह, रितेश दुबे, दीपू पांडेय, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, राकेश गुप्ता, अजित कुशवाहा, विनय तिवारी, अमित मालवीय, दिनेश तिवारी, अमरनाथ मद्धेशिया, शिबलू सिंह, चनद्रबली गोंड आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ बिजनौर के चुनाव को लेकर विवाद

बिजनौर। जनपद बिजनौर के हल्दौर स्थित राधे कृष्ण फार्म हाउस में 31 अगस्त को प्रजापति समाज की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में त्रिवर्षीय जिला कार्यकारिणी के गठन और जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जिले भर से बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के लोग शामिल हुए। इसी दिन चांदपुर में भी समाज की बैठक हुई थी, लेकिन हल्दौर की सभा में कार्यकारिणी गठन का मुख्य कार्यक्रम रखा गया। सभा के बाद कुछ समाजबंधुओं ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से नहीं कराई गई। उनका कहना है कि कार्यकारिणी और जिलाध्यक्ष का नाम पूर्व में ही तय कर लिया गया था और बैठक में केवल औपचारिकता निभाई गई। आरोप यह भी लगाया गया कि आयोजन के लिए समाज से चंदा वसूला गया, जबकि पहले कभी किसी सभा के लिए चंदा नहीं लिया गया था। नानकचंद आढ़ती (नजीबाबाद) ने दूरभाष पर बातचीत में कहा कि उन्होंने भी जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की थी, लेकिन राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ (रजि.) की चुनाव समिति की नीतियाँ स्पष्ट नहीं रहीं। उनके अनुसार, चुनाव में पारदर्शिता न होने के कारण इसे अवैध माना जा रहा है। उधर, प्रजापति समाज के कुछ बंधुओं ने इस प्रक्रिया पर असहमति जताई है, वहीं समर्थकों का कहना है कि चुनाव समिति ने नियमों के अनुसार प्रक्रिया पूरी की। समाज में इस विषय पर चचाएँ तेज हैं और कई लोग इस पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फोटो कैप्शन :- हल्दौर में आयोजित राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ बिजनौर के कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारी। तस्वीर में नानक चंद आढ़ती भी मौजूद हैं, जिन्होंने इस चुनाव को अवैध करार दिया है।

जीजा के प्यार में साली ने की हद पार, बहन ने भी दिखाया बड़ा दिल, भर दी पत्नी बनाकर रखने की हामी

अमरोहा। रहने वाली युवती जीजा के प्यार में बागी हो गई। घर छोड़कर काशीपुर जीजा के पास पहुंच गई। परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए और उन्होंने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन जीजा साली नहीं माने। साली ने जहां बड़ी बहन के साथ रहने की रजामंदी दे दी तो वहीं जीजा ने भी दोनों को अपनी पत्नी बनाकर रखने की हामी भर दी। फिलहाल दोनों परिवार के लोग जीजा-साली को समझाने में जुटे हैं। यह मामला अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां पर कारोबारी का परिवार रहता है। उनकी बड़ी बेटी की शादी दो साल पहले काशीपुर के युवक के साथ हुई थी। फिलहाल दोनों पति-पत्नी काशीपुर में ही रहते हैं। शादी के एक साल बाद ही जीजा का अपनी साली से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। परिजन दोनों की मोहब्बत से अंजान थे। लिहाजा जीजा-साली ने हद पार करते हुए जीवन भर साथ रहने का फैसला कर लिया। करीब एक सप्ताह पहले साली अपने घर से निकल कर जीजा के घर पहुंच गई। वहां उसने जीजा के साथ रहने का फैसला कर लिया। जानकारी मिलते ही युवती के परिजन काशीपुर पहुंचे और उसे घर ले आए थे। परंतु युवती ने जीजा का साथ छोड़ने से साफ इनकार कर दिया। वह परिजनों को बिना बताए फिर से घर से जीजा के पास चली गई। यहां पहुंचने के बाद साली ने साफ कह दिया कि दोनों बहनें एक साथ रहेंगी। वह जीजा को नहीं छोड़ सकती इसलिए उसकी दूसरी पत्नी बनकर रहेगी। उधर जीजा ने भी पत्नी के साथ साली को भी साथ रखने के लिए हामी भर दी। मामला पारिवारिक होने के कारण परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को सूचना नही दी है। जीजा-साली की यह प्रेम कहानी शहर में चर्चा का विषय बनी है।

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने जिला आबकारी अधिकारी, महोबा को किया निलंबित

महोबा। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कदम उठाते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने महोबा जनपद के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जनपद महोबा में तैनात राजेंद्र प्रसाद वर्मा, जिला आबकारी अधिकारी द्वारा रिश्वत लिए जाने से संबंधित वीडियो 26 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसका संज्ञान लेते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल द्वारा जिलाधिकारी महोबा द्वारा जांच कराई गई।जांच में जिला आबकारी अधिकारी, महोबा प्रथमदृष्टया दोषी पाए गए। उक्त क्रम में आबकारी मंत्री ने राजेंद्र प्रसाद वर्मा के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए निलंबित कर दिया है। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है।

मिशन शक्ति के तहतः महिला सुरक्षा को लेकर सेंट जोसेफ्स स्कूल में लोगों को किया गया जागरूक

कुशीनगर। फाजिलनगर स्थित सेंट जोसेफ्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुलिस विभाग द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारियाँ दी गईं। मुख्य उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। आयोजित कार्यक्रम में पटहेरवा थानाध्यक्ष विनय कुमार मिश्र ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान का लक्ष्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ हर लड़की को आत्मरक्षा की तकनीकें जरूर सीखनी चाहिए। ताकि आपात स्थिति में वे खुद की रक्षा कर सकें। छात्राओं को समझाया कि किसी भी प्रकार की छेड़खानी, उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में चुप रहना समाधान नहीं है। ऐसी किसी भी घटना की तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181 और 1076 की जानकारी साझा की और बताया कि इन नंबरों के माध्यम से तुरंत मदद प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की भी जानकारी दी और कहा कि हर महिला को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। कानून महिलाओं को विशेष सुरक्षा देता है और पुलिस हर परिस्थिति में उनकी मदद को तत्पर है। यदि कोई व्यक्ति आपको परेशान करता है या आपकी सुरक्षा को खतरा है। तो बिना झिझक पुलिस को सूचना दें। आपकी पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में सेंट जोसफ स्कूल के डायरेक्टर सीओ जोश, चौकी प्रभारी मनोज कुमार वर्मा, एसआई विशाल कुमार, अजय उपाध्याय, सुधाकर मणि त्रिपाठी, रणजीत मिश्र, रबि दूबे, विनोद यादव, अर्पिता, वंदना मिश्रा, मनीषा सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने स्मार्ट क्लास और समाजसेवा संग हरियाली का संदेश

संवददाता

संवाददाता कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर के सौजन्य से प्रदान किए गए स्मार्ट टीवी और वाई-फाई के माध्यम से स्मार्ट क्लास का शुभारंभ, नगरपालिका कुशीनगर के जूनियर हाई स्कूल, मुंडेरा रतनपट्टी (कंपोजिट) में विधायक पीएन पाठक ने किया। अतिथियों छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टी-शर्ट, लोअर, कापी, पेन एवं पानी की बोतल वितरित की गई। साथ ही एक पेड़ माँ के नामह्व पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि विधायक श्री पाठक ने रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा शिक्षा और समाजसेवा की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी क्लब की पहल आने वाली पीढ़ी के भविष्य को संवारने में मील का पत्थर साबित होगी। स्मार्ट क्लास और पौधारोपण

दोनों ही समय की सबसे बड़ी जरूरत हैं। वशिष्ट अतिथि नपाप कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि नगर की समृद्धि तभी संभव है जब शिक्षा आधुनिक हो और पर्यावरण संरक्षित रहे। नपा प्रशासन बेसिक विद्यालयों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। वार्ड सभासद गिरिजेश सिंह ने विधायक पीएन पाठक को स्कूल के चहारदीवारी और नए भवन हेतु पत्रक दिया साथ ही कार्यक्रम आयोजन हेतु रोटरी क्लब कुशीनगर के प्रयास की सराहना की। संचालन करते हुए रोटरी के सह संरक्षक वाहिद अली ने कहा कि क्लब की यह पहल शिक्षा, सेवा और संस्कार तीनों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है। विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ ही प्रकृति से जोड़ना हमारा संकल्प है। क्लब अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बच्चों को आधुनिक सुविधाएँ मिलें और वे प्रतिस्पर्धात्मक युग में पीछे न रहें। आभार सचिव विजय गुप्ता ने व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापिका निर्मला सिंह ने किया। इस दौरान कोषाध्यक्ष दिनेश यादव, उपाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, सह सचिव सदरे आलम, निदेशक मंडल के सदस्य रंजीत श्रीवास्तव, राजीव तिवारी, हेमन्त गर्ग, सतेन्द्र राय, शशि सिंह, वैभव राव, आशीष अग्रवाल, भाजपा के मंडल अध्यक्ष आद्या पाण्डेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, अजेंद्र सिंह, बैजू, सूर्यनाथ यादव संत जी, छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कवींद्र पाण्डेय, पूर्व महामंत्री जयप्रकाश सिंह, अशोक सिंह, संगीता सिंह, प्रभात चतुवेर्दी, अमृता सिंह, राजन चौरसिया, संध्या सिंह, अमला प्रसाद, राजेश शुक्ल, अरुण वर्मा, मृत्युंजय मिश्र, विवेक सिंह उपस्थित रहे।

बलरामपुर में भीषण सड़क हादसाः तीन की दर्दनाक मौत

बलरामपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के नरकटिया गांव के पास मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं।उतरौला क्षेत्र से पांच लोग एसयूवी (बोलेरो) में सवार होकर इलाज कराने बहराइच

जा रहे थे। वाहन चालक गुलाम रसूल फुलवरिया बाईपास होकर नरकटिया गांव के पास पहुंचा ही था कि अचानक सामने से एक बाइक आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने गाड़ी मोड़ी तो वाहन सीधे सुआव नाले में जा गिरा। हादसे में प्रेमा देवी (30) पत्नी तुलाराम निवासी बायभीट की मौके पर मौत हो गई। उनके बहनोई सिताराम (50) निवासी गनेशपुर, उतरौला ने भी दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल बहरैच निवासी कांधभारी (25) को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने बताया कि मृतका प्रेमा देवी के पति तुलाराम घायल हैं और जिला अस्पताल में भर्ती हैं। चालक गुलाम रसूल को भी चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

यूपी में 3 साल के लिए भर्ती होंगे आउटसोर्स कर्मचारी

16-20 हजार सैलरी, लखनऊ-कानपुर में चलेंगी ई-बसें; 15 प्रस्ताव को मंजूरी

लखनऊ। योगी सरकार की मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई। इसमें आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को लेकर अहम फैसला किया गया। प्रदेश में अब सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती सरकार खुद करेगी। इसके लिए निगम के तहत एक कंपनी बनाएगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया- आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को हर महीने 16 से 20 हजार रुपए सैलरी यानी मानदेय मिलेगा। यह नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। इसके बाद रिन्युअल किया जाएगा। अभी तक एक साल का काट्रैक्ट होता था। आउटसोर्स कर्मचारियों को हर महीने की 1 से 5 तारीख तक सैलरी मिलेगी, जो सीधे खाते में जाएगी। इसके अलावा, पीएफ (प्रोविडेंट फंट) और ESIC (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) की सुविधा मिलेगी। सरकारी विभाग की तरह ही इन भर्तियों में महिला कर्मी को मैटर्निटी लीव भी मिलेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि स्थायी पदों पर आउटसोर्स से भर्ती नहीं की जाएगी। यानी स्थायी पदों पर सरकारी प्रक्रिया से ही भर्ती होगी। मंगलवार को योगी कैबिनेट में 16 प्रस्ताव रखे गए। इसमें 15 प्रस्ताव पास हो गए। इसके अलावा, कृषि से जुड़ा एक प्रस्ताव स्थगित कर दिया गया। योगी सरकार ने स्पष्ट किया कि आउटसोर्स भर्ती पारदर्शी परीक्षा और इंटरव्यू से करेगी। सरकार के जिन-जिन विभागों में खाली पद हैं। वह नए निगम को भर्ती का प्रस्ताव बनाकर देंगे। इसके बाद निगम जरूरत के मुताबिक आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती

करेगा। फाइनल अभ्यर्थियों की लिस्ट विभाग को दी जाएगी। आउटसोर्सिंग भर्ती के लिए गठित निगम जेम पोर्टल से कर्मियों के आवेदन लेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया- इलेक्ट्रॉनिक्स के 11 इम्पॉर्टेंट कंपोनेंट को बढ़ावा देने के लिए यूपी सरकार नीति लाएगी। यह 6 साल के लिए लागू होगी। इसके तहत निवेशक को भारी सब्सिडी और छूट दी जाएगी। इससे देश पर चीन की निर्भरता कम होगी और हमारा निर्यात बढ़ेगा। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स की कीमत में कमी आएगी। देश में अगले 5 सालों में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट में 500 मिलियन डॉलर का निवेश लाना है। हमारा टारगेट है कि इसका 50 फीसदी यूपी में हो। नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगरीय परिवहन की सुविधा के लिए ई-बसों का प्रस्ताव रखा। इसमें प्राइवेट ऑपरेटर को ई-चार्जिंग सहित नेट कॉस्ट बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई। कानपुर और लखनऊ के 10 रूट्स पर ई-बसें चलेंगी। इन लग्जरी बसों की कीमत 10 करोड़ होगी। ये बसें 12 साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर आएंगी। इनका किराया तय करने का अधिकार सरकार के पास रहेगा। लखनऊ और कानपुर में सभी रूट फाइनल हो गए। हर रूट पर अभी एक बस दी जाएगी। ऑपरेटर का चयन टेंडर से किया जाएगा। सरकार बस के लिए चार्जिंग की व्यवस्था करेगी। लाइसेंस भी देगी।

कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, लेकिन महानगरों में स्थिरता

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, फिर भी देश के कई शहरों में राहत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रही हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत देखने को मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कीं, जिनमें कई शहरों में कीमतों में कटौती की गई है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमत में 88 पैसे की बड़ी कटौती हुई है, जिससे यह 105.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल की कीमत में भी 83 पैसे की गिरावट आई है और अब यह 91.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 94.77 रुपए और डीजल 12 पैसे कम होकर 87.89 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि हरियाणा की गुरुग्राम में इसके विपरीत स्थिति रही, जहां पेट्रोल 29 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 28 पैसे चढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर हो गया है। देश के चारों प्रमुख

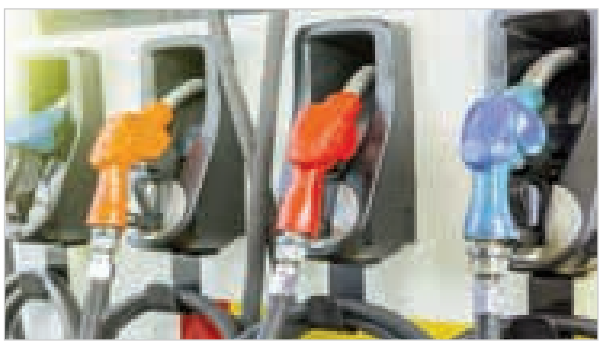

महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 68.15 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 64.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

फीनिक्स मिल्स के शेयरों में उछाल

- नए मॉल्स की लॉन्चिंग और रणनीतिक अधिग्रहण से कंपनी की दीर्घकालिक ग्रोथ को मिलेगा बल

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी फीनिक्स मिल्स के शेयरों में मंगलवार को बीएसई पर करीब 4 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इस उछाल की वजह बनी ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल द्वारा स्टॉक की रेटिंग को नेचुरल से अपग्रेड कर बीयूवाय करना है। इसके साथ ही ब्रोकरेज ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,673 से बढ़ाकर 2,044 रुपए कर दिया है, जो वर्तमान भाव से करीब 35 फीसदी का संभावित रिटर्न दर्शाता है। फीनिक्स मिल्स देशभर में रिटेल-बेस्ड मिक्स्ड-यूज़ प्रॉपर्टीज का निर्माण, लीजिंग और प्रबंधन करती है। कंपनी का फोकस मॉल्स और ऑफिस स्पेस पर है, साथ ही यह हॉस्पिटैलिटी, कमर्शियल और रेसिडेंशियल रियल एस्टेट में भी सक्रिय है। इनकम का प्रमुख स्रोत किराया है जो देशभर में फैले इसके प्रॉपर्टीज से आता है।

ओसवाल का मानना है कि वित्त वर्ष 2027 के बाद भी कंपनी की ग्रोथ स्थिर बनी रहेगी, खासकर नए मॉल्स की शुरुआत और मौजूदा मॉल्स में कंजम्शन बढ़ाने के प्रयासों से। हाल ही में फीनिक्स मिल्स ने आईसलैंड स्टार मॉल डेवलपर्स में शेष 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण भी पूरा किया है, जिससे इसका हाई-क्वालिटी रिटेल पोर्टफोलियो और सशक्त होगा।

दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 जल्द होगी लांच

नईदिल्ली ।

वियतनाम की कंपनी विनफास्ट ने घोषणा की है कि उसकी दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 को 6 सितंबर 2025 को लॉन्च किया जाएगा। विनफास्ट ने इस साल ऑटो एक्सपो 2025 में अपने मॉडल्स शोकेस किए थे। इसके बाद कंपनी ने हाल ही में भारत में पहला शोरूम भी खोला। लक्ष्य है कि साल के अंत तक 35 डीलरशिप शुरू की जाएं। ग्राहक इन एसयूवीएस को केवल 21,000 रुपये देकर ऑनलाइन प्री-बुक कर सकते हैं। वीएफ 6 में 59.6 केडब्ल्यूएच और वीएफ 7 में 70.8 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया जाएगा। रेंज और परफॉर्मेंस की पूरी जानकारी अभी कंपनी ने साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मौजूदा इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को कड़ी टक्कर देंगी।

दोनों एसयूवीएस का असेंबली कार्य विनफास्ट की तमिलनाडु स्थित टूथूकुडी फैक्ट्री में हो रहा है, जिसकी शुरुआती क्षमता 50,000 यूनिट्स प्रति साल है और भविष्य में इसे बढ़ाकर 1.5 लाख यूनिट्स किया जा सकता है। विनफास्ट की एंट्री इस सेगमेंट को और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। वीएफ 6 और वीएफ 7 न सिर्फ भारत में कंपनी की शुरुआत हैं, बल्कि ईवी बाजार में ग्राहकों को एक नया विकल्प भी देंगी। भारत में पहले से ही टाटा महिंद्रा, एमजी और बीवायडी जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवीएस पेश कर रही हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा ईएल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली ।

एथर एनर्जी कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित ईएल प्लेटफॉर्म से पर्दा हटा दिया है। इसके बारे में एथर का कहना है कि यह नेक्स्ट-जनरेशन प्लेटफॉर्म उसकी आने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा। इसके तहत कंपनी फैमिली स्कूटर, मैक्सी-स्कूटर और स्पोर्टी परफॉर्मेंस ईवी लॉन्च करेगी। इस मौके पर एथर ने ईएल 01 कॉन्सेप्ट भी दिखाया, जो भविष्य के फैमिली स्कूटर की झलक पेश करता है। कंपनी का पहला नया स्कूटर अगले साल त्योहारी सीजन में बाजार में आएगा और इसका उत्पादन महाराष्ट्र के संभाजी नगर प्लांट में होगा। ईएल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह नए सिरे से डिजाइन किया गया है। इसमें स्केलेबल चेसिस, नया पावरट्रेन और री-इंजीनियर्ड सॉफ्टवेयर स्टैक दिया गया है।

कंपनी का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म लंबे सर्विस अंतराल, तेज असेंबली और दोगुनी तेजी से पीरियोडिक मेंटेनेंस की सुविधा देगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम और नया चार्ज ड्राइव कंट्रोलर दिया गया है, जिससे पोर्टेबल चार्जर की जरूरत खत्म हो जाएगी। इवेंट में कंपनी ने अपना सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर अपडेट अथेरस्टेक 7.0 भी पेश किया। इसमें भारतीय भाषाओं के लिए प्रशिक्षित एआई-बेस्ड वॉइस असिस्टेंट, क्रैश अलर्ट, गड्ढों की चेतावनी और चोरी से सुरक्षा के फीचर्स शामिल हैं। एथर ने अगली पीढ़ी की फास्ट चार्जिंग तकनीक भी लॉन्च की है।

यह तकनीक मात्र 10 मिनट में 30 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है, यानी चार्जिंग समय लगभग आधा हो गया है। इन नई घोषणाओं से साफ है कि एथर आने वाले वर्षों में भारतीय ईवी बाजार में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। खास बात यह है कि यह सिस्टम पुराने एथर स्कूटर्स के साथ भी कम्पैटिबल रहेगा और इसे ओटीए अपडेट के जरिए दिया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इनफिनिट क्रूज कंट्रोल सिस्टम पेश किया है, जिसमें सिटीक्रूज, हिल कंट्रोल और क्रॉल कंट्रोल जैसे मोड मिलेंगे।

भारत सेमीकंडक्टर उद्योग में बना स्थिरता और विकास का मॉडलः वैष्णव

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की तेजी से हो रही प्रगति को वैश्विक परिदृश्य में एक स्थिरता और विकास का प्रकाश स्तंभ बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत ने पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिनमें से एक इकाई की उत्पादन लाइन पूरी हो चुकी है और कुछ महीनों में दो और इकाइयां उत्पादन शुरू कर देंगी।

वैष्णव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक और नीतिगत अस्थिरता के बीच भारत का स्थिर और पारदर्शी नीति माहौल निवेशकों के लिए विश्वास का कारण बन रहा है। उन्होंने वैश्विक उद्योग जगत से भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश करने का आग्रह किया। मंत्री ने यह भी बताया कि देश के 278 विश्वविद्यालयों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरणों से लैस किया गया है, जिससे 60,000 से अधिक इंजीनियरिंग छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन में प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। इसी के साथ, 17 छात्र दलों ने सफलतापूर्वक चिप तैयार कर प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की है। वैष्णव ने भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी जोर दिया, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नवाचार कर वैश्विक बाजारों में अपनी पहचान बना रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बढ़ती सेमीकंडक्टर मांग और उद्योग की क्षमता को देखते हुए, वैष्णव ने निवेश के लिए भारत को सबसे उपयुक्त स्थान बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ चुका है, जो देश के उद्योग के तेजी से विकास का प्रमाण है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 88.14 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.14 पर खुला और शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 88.16 प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। यह सोमवार के बंद स्तर 88.10 की तुलना में और नीचे है, जो कि अब तक का सर्वाधिक निचला स्तर था। रुपये की इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और डॉलर की वैश्विक मांग में बढ़ोतरी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने सोमवार को 1,429.71 करोड़ रुपये के शेयर शुद्ध रूप से बेचे। वहीं, डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 97.84 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर की मजबूती और स्पष्ट हो गई।

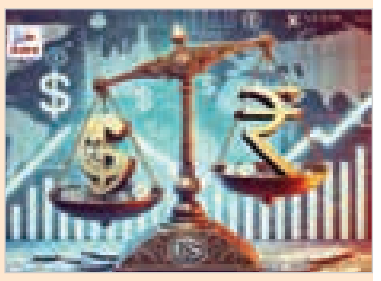

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने भुज में 25 मेगावाट सौर परियोजना शुरू की

नई दिल्ली । एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के भुज में 25 मेगावाट की नई सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। यह परियोजना अयाना रिन्यूएबल पावर फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित 150 मेगावाट की बड़ी सौर परियोजना का हिस्सा है। अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड की यह परियोजना ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट के साथ एक संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के तहत चल रही है। इस नई परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशन 3 सितंबर, 2025 से शुरू हो गया है। इस पहल के बाद एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता अब 83,366 मेगावाट हो गई है। वहीं एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की कुल कमर्शियल क्षमता 7,272.575 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो पहले 7,247.575 मेगावाट थी। यह वृद्धि देश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी की भूमिका को और मजबूत करती है। एनटीपीसीने इस जानकारी को सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स, 2015 के तहत रेगुलेशन 30 के अनुसार सार्वजनिक किया है।

सेबी शेयर सूचकांक वायदा-विकल्प कारोबार में नए निगरानी ढांचे लागू करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर सूचकांक वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) में कारोबार की निगरानी के लिए एक नया सख्त नियामक ढांचा लागू करने का निर्णय लिया है। यह कदम बड़े जोखिमों और संभावित हेरफेर को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। नया ढांचा 1 अक्टूबर से लागू होगा। सेबी ने सूचकांक वायदा-विकल्प में प्रति इकाई शुद्ध सीमा 5,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है, जबकि दिन के अंत में यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये होगी। कारोबार के दौरान सकल सीमा 10,000 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी, जो मौजूदा दिन के अंत की सीमा के समान है। यह सीमा खरीद और बिक्री दोनों पक्षों पर अलग-अलग लागू होगी। सेबी ने कहा है कि कम से कम 400 सौदों की निगरानी की जाएगी, खासकर दोपहर पौने तीन से साढ़े तीन बजे के बीच, जब बाजार में गतिविधि अधिक होती है। इससे असामान्य खरीद-बिक्री गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और जोखिम कम किया जाएगा। यह नया निगरानी ढांचा अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट को भारतीय बाजार से अस्थायी प्रतिबंधित करने के बाद आया है। जेन स्ट्रीट पर सूचकांक में हेरफेर और नकदी व वायदा बाजारों में एक साथ दांव लगाकर मुनाफा कमाने का आरोप था। सेबी ने चेतावनी दी है कि सीमा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जांच की जाएगी और बाजार द्वारा जुर्माना या अतिरिक्त निगरानी जमा राशि लगाई जाएगी। यह उपाय बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 206, निफ्टी 45.45 अंक नीचे आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 206.61 अंक करीब 0.26 फीसदी टूटकर 80,157.88 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक नीचे आकर 24,579.60 पर रहा। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 151.90 अंक बढ़कर 56,977.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 93.20 अंक नीचे आकर 17,591.30 पर था। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए जबकि एफएमसीजी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया , एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स के शेयरों में तेजी रही।

सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचयूएल, बीईएल, बजाज फिनसर्व,

टेक महिंद्रा, इटरनल और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। एमएंडएम, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक टॉप के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इथेनॉल मानदंडों में मिली राहत के कारण चीनी शेयरों में तेजी आई, जबकि अमेरिका की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद निर्यात केंद्रीत कंपनियों के शेयरों में तेजी आई हालांकि, निवेशकों अपनी ओर से सतर्कता बरत रहे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 150 अंकों की बढ़त के साथ 80,520.09 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने 24,653 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह सेंसेक्स 231.59 अंक चढ़कर 80,596.08 पर और निफ्टी 76.75 अंक बढ़कर 24,701 पर कारोबार करता देखा गया। एशियाई बाजारों में आज सकारात्मक माहौल देखा गया। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.31 फीसदी, कोरिया का कोस्पी 0.45 फीसदी और टॉपिक्स इंडेक्स 0.28 फीसदी बढ़ा।

अकाउंट एग्रीगेटर से वित्तीय समावेशन और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बताया कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) प्रणाली ने भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा व्यक्तिगत ऋण की पहुंच को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे 2 सितंबर 2021 को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने 2016 में इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। यह एक डिजिटल फ्रेमवर्क है जो वित्तीय डेटा को सुरक्षित और सहमति-आधारित तरीके से साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे बैंकिंग, बीमा, पेंशन और प्रतिभूति जैसे क्षेत्रों में डेटा साझा करना सरल और सुरक्षित हो गया है। इस पहल से भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) मजबूत हुआ है। आज तक 112 संस्थान वित्तीय सूचना प्रदाता (एफआईपी) और वित्तीय सूचना उपयोगकर्ता (एफआईयू) दोनों के रूप में सक्रिय हैं, जबकि 56 संस्थान केवल एफआईपी और 410 केवल एफआईयू के रूप में काम कर रहे हैं। अकाउंट एग्रीगेटर के माध्यम से अब 2.2 अरब से अधिक वित्तीय खाते जुड़े हुए हैं, जिनमें से 11.23 करोड़ उपयोगकर्ता अपने खातों को लिंक कर चुके हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान एए को एक महत्वपूर्ण डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में मान्यता मिली। जुलाई 2024 में जारी जी-20 कार्यबल की रिपोर्ट में भी इसके महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। यह प्रणाली 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

जीएसटी काउंसिल में बदलाव के संकेतः 4 से घटाकर 2 स्लैब पर होगी चर्चा

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटी होने वाली बैठक में मौजूदा चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो स्लैब करने पर विचार किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक, 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। 12 फीसदी स्लैब के ज्यादातर उत्पादों को 5 फीसदी और कुछ को 18 फीसदी स्लैब में शामिल किया जाएगा। वहीं 28 फीसदी स्लैब के सामान को 18 फीसदी में लाया जाएगा, जबकि लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर टैक्स बढ़ाकर 40 फीसदी किया जाएगा। अब तक 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूते पर 5 फीसदी और अधिक कीमत वाले पर 12 फीसदी जीएसटी लगता था। प्रस्तावित बदलाव के बाद, 2,500 रुपये तक के कपड़े और फुटवियर पर 5 फीसदी और इससे ऊपर कीमत वाले पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए नए नियम लागू होंगे। आईसीएआई के एक पूर्व अधिकारी ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक ही उत्पाद पर अलग-

अलग कीमतों के आधार पर जीएसटी दर लगाना पारदर्शिता और सरलता के विपरीत होगा। इससे टैक्स चोरी और विवाद बढ़ सकते हैं।

15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी 2.0 को दिवाली से पहले लागू करने की घोषणा की थी। मंत्रियों के समूह ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब जीएसटी काउंसिल की 3-4 सितंबर की बैठक में अंतिम फैसला होगा। सरकार सितंबर के अंत तक नया जीएसटी ढांचा लागू करने की योजना बना रही है।

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.86 लाख करोड़ हुआ

- जुलाई की तुलना में मामूली गिरावट, अप्रैल में हुआ था अब तक का सबसे अधिक संग्रह

नई दिल्ली । अगस्त 2025 में देश का कुल जीएसटी कलेक्शन 1.86 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष अगस्त 2024 के मुकाबले 6.5 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिर मजबूती को दर्शाती है। हालांकि, जुलाई 2025 में संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपए था, जो त्योहारों और आर्थिक गतिविधियों के कारण अधिक रहा। अगस्त में कलेक्शन सामान्य स्तर पर लौट आया है। इस वर्ष अप्रैल में जीएसटी वसूली अब तक के रिकॉर्ड स्तर 2.37 लाख करोड़ पर पहुंची थी। इसके अलावा अगस्त 2025 में ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 1.36 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 6.6 फीसदी की वार्षिक वृद्धि है। वहीं इम्पोर्ट टैक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो 49,354 करोड़ रुपए रहा।

स्वान डिफेंस और भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय ने शुरू किया उत्कृष्टता केंद्र

छात्रों और युवाओं को करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा

मुंबई । स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) ने भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के साथ मिलकर जहाज निर्माण और नौसेना वास्तुकला में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य भारत के बढ़ते जहाज निर्माण और भारी विनिर्माण क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की अगली पीढ़ी तैयार करना है। इस साझेदारी के तहत एसडीएचआई और आईएमयू अपने परिसरों में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। उत्कृष्टता केंद्र जहाज निर्माण से जुड़े तकनीकी कौशल और नौसेना वास्तुकला में विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इससे छात्रों और युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा। स्वान डिफेंस ने बताया कि यह साझेदारी भारत के आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों संस्थान शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं और सरकारी विभागों के साथ मिलकर कौशल विकास की दिशा में और पहल करेंगे।

सूर्यकुमार यादव की नेट्स पर वापसी, एशिया कप के लिए शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव वापसी कर चुके हैं और हाल ही में नेट सत्र के दौरान शानदार लय में दिखे, जहां उन्हें गेंदबाजों की सहजता से धुनाई करते देखा गया। नाजुक स्वीप से लेकर शक्तिशाली लॉफ्टेड शॉट्स तक 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने विशिष्ट स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया जिससे उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी से पहले उनकी तैयारी का संकेत मिलता है।

सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, फाइनल चैक।' भारत की टी20 कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार ने 15 मैचों में 258 रन बनाए हैं। हाल के टी20 मैचों में उनके रनों की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए वह सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 16 मैचों (16 पारियों) में 65.18 की शानदार औसत और 167 से ज्यादा के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 73 रन रहा।'

इस साल जून में IPL के 18वें सीजन के समापन के कुछ हफ्ते बाद सूर्यकुमार ने पुष्टि की कि जर्मनी के म्यूनिख में उनकी स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही। भारत लौटने के बाद उन्होंने COE में अपना पुनर्वास जारी रखा। वह 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। भारत अगले दिन यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपने एशिया कप अभियान की मजबूत शुरुआत करने के लिए सूर्यकुमार के निडर रवैये पर भरोसा करेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर हो गए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए उनके रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया एक अक्टूबर से न्यूजीलैंड के साथ तीन टी20 मैच खेलेगा। उसके बाद वह भारत के खिलाफ तीन वनडे (19-25 अक्टूबर) और पांच टी20 मैच (29 अक्टूबर से आठ नवंबर) खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, 'कमिंस को भारत (और न्यूजीलैंड) के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना जाएगा और वह इस बीच रिहैबिलिटेशन पर रहेंगे।'

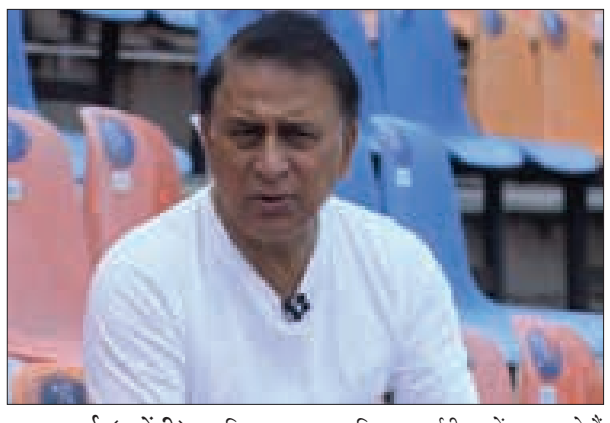

सुनील गावस्कर के 'विदेशी अपना देखें' बयान पर ब्रैड हैडन का पलटवार, श्रेयस अय्यर का नाम लेकर दिया ये जवाब

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए जब टीम इंडिया के स्क्वॉड पर कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने सवाल खड़े किए थे। इस कड़ी में कुछ विदेशी खिलाड़ियों ने भी अपनी बयानबाजी की थी। जिस पर पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए ते और उन्होंने इन विदेशी खिलाड़ियों की जमकर आलोचना की थी। लेकिन अब गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैंड हैडिन का जवाब आया है।

गावस्कर ने कहा था कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय टीम के मसलों से दूर रहना चाहिए और अपने देश की क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। हैडिन ने इस बात का जवाब दिया है। ये बहस श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुरु हुई थी।

हैडिन ने विलो टॉक नाम के पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट के मसलों पर बात करना उनका काम है। हैडिन ने कहा कि वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, वह पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। हैडिन पंजाब के बल्लेबाजी कोच हैं।

हैडिन ने कहा कि, हमारा काम विश्व क्रिकेट में जो हो रहा है उस पर अपना विचार रखना है। हम यही करते हैं। मैंने आईपीएल में उन्हें कोच किया है और मैंने जो कहा उस पर मैं कायम हूं। मैं इस बात से हैरान था कि वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। मैं ये नहीं कह रहा कि बाकी जो खिलाड़ी चुने गए हैं वो नहीं चुने जाने चाहिए थे।

हैडिन ने कहा कि, मैंने ये इसलिए कहा था कि क्योंकि जिस तरह से अय्यर ने हमारी टीम को संभाला था। वह शानदार लीडर हैं और जिस तरह से वह दवाब में आगे से टीम का नेतृत्व करते हैं वो बेहतरीन है। उन जैसे खिलाड़ियों को साइडलाइन करते हुए भी भारत के पास अच्छी टीम है।

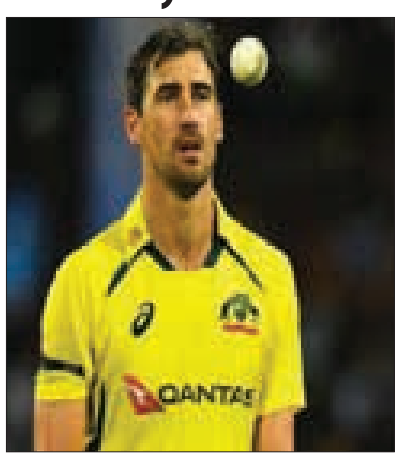

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले उठाया बड़ा कदम, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया।' स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा।'

आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।''

पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अंतररष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 2021 टी 20 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ रोचक मुकाबले में उनकी 7 गेंदों पर 25 रनों की पारी उनके अंतररष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार पारी है। आसिफ ने अपने अंतररष्ट्रीय करियर को अपने जीवन का एक गर्व करने योग्य अध्याय करार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आसिफ ने कहा, 'आज मैं अंतररष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अलहमदुलिल्लाह, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरव की बात रही है। मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरे परिवार और दोस्तों, जो खुशी के पलों में और मुश्किल हालातों में, जिसमें विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी का निधन भी शामिल है, मेरे साथ खड़े रहे, आपकी ताकत ने मुझे आगे बढ़ाया।' आसिफ ने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 58 टी20 और 21 वनडे खेले। टी20 में आसिफ ने 15.18 की औसत से 577 रन बनाए, वहीं वनडे में उन्होंने 25.46 की औसत से 382 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी वनडे अप्रैल 2022 में लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था जबकि अपना अंतिम अंतररष्ट्रीय मैच उन्होंने अगस्त 2023 में एशियन गेम्स में बांग्लादेश के ख़िलाफ टी20 प्रारूप में खेला। आसिफ को 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू का मौका मिला था, डेब्यू से पहले उन्होंने उस साल क्क्स्रु में इस्लामाबाद यूनाइटेड को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके दो महीने बाद ही उन्हें वनडे में डेब्यू करने का मौका मिला लेकिन प्रदर्शन की निरंतरता की कमी के चलते वह टीम में स्थाई जगह हासिल नहीं कर पाए। आसिफ हाल ही में पाकिस्तान चैंपियंस के लिए भी खेलते नजर आए थे। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 28 रनों की पारी खेली थी।

एकदिवसीय क्रिकेट के पहले 55 मैचों में सचिन और विराट से आगे हैं शुभमन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन एकदिवसीय में भी काफी अच्छा रहा है। यहां तक कि वह शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे नजर आते है। सचिन और विराट के नाम विश्व क्रिकेट में कई रिकार्ड हैं। शुभमन ने अभी तक 55 एकदिवसीय ही खेले हैं। ऐसे में अगर विराट और सचिन के पहले 55 एकदिवसीय मुकाबलों से उनकी तुलना करें तो शुभमन आगे दिखते हैं।

सचिन तेंदुलकर : सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 463 मैच खेले जिसमें 44.83 की औसत के साथ 18426 रन बनाए। हालांकि सचिन के एकदिवसीय करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले 55 एकदिवीसय में सचिन के नाम एक भी शतक नहीं है। उनका पहला शतक 79वें एकदिवसीय में बना था। 55 एकदिवसीय के बाद उनके 31.76 की औसत से केवल 1556 रन थे।

विराट कोहली : विराट के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 302 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 57.9 की औसत के साथ 14181 रन ही बनाए हैं। पहले 55 एकदिवसीय के बाद विराट के सचिन तेंदुलकर से अधिक 2059 रन थे, जो उन्होंने 42.9 की औसत के साथ बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी लगाये थे।

शुभमन : शुभमन पहले 55 एकदिवसीय के बाद रनों और शतक के साथ ही औसत के मामले में भी कहीं आगे हैं। शुभमन ने अभी तक 59.04 की औसत के साथ 2775 रन बनाये हैं। उनके नाम 8 शतक है। इससे पता चलता है कि शुभमन सचिन और विराट की तुलना में काफी बेहतर है। अब

देखना होगा कि आगे वह अपनी बढ़त बनाये रख पाते हैं या नहीं।

टेस्ट सहित सभी प्रारुपों में खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से टी20 क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह जिस प्रकार लंबे-लंबे छक्के लगाकर रन बनाते हैं उससे वह लोगों के पसंदीदा बल्लेबाज बन गये हैं और उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाने लगा है। वहीं रिंकू ने कहा कि वह केवल टी20 के विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं बने रहना चाहते। उनका सपना भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलना है। रिंकू निचले क्रम पर तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यही खूबी उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अब तक 33 टी20 आई में रिंकू ने 42 की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 546 रन बनाए हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अभी तक 50 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 54.68 की औसत के साथ 3336 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 22 अर्धशतक और 7 शतक हैं। रिंकू से पूछा गया कि अकसर आपको टी20 स्पेशलिस्ट का टैग दिया जाता तो उन्होंने कहा, 卐मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है, और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं पर मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है, वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। मैंने भारत के लिए दो एकदिवसीय मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे एक ही प्रारुप तक में सीमित रहना पसंद नहीं; मैं खुद को सभी फॉर्मेट का खिलाड़ी मानता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है, और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा। वह सुरेश रैना अपना आदर्श मानते हैं।'

एशिया कप से पहले पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, संजू सैमसन प्लेइंग 11 में नहीं हो सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एशिया कप के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में चुना गया है। लेकिन पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान को लगता है कि सैमसन को प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिलेगा और ऐसा शुभमन गिल को जगह देने के कारण होगा।

इरफान ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'संजू ने वाकई अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी निरंतरता पर एक सवालिया निशान है। या तो वह शतक जड़ेंगे या सस्ते में आउट हो जाएंगे। जाहिर है कि अभिषेक शर्मा टीम में होंगे क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं और उनका स्ट्राइक रेट कमाल का है। चूंकि जितेश शर्मा टीम में हैं, इसलिए उनके पास शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाने का विकल्प है। मैं भी यही विकल्प चुनूंगा।'

इस पूर्व ऑलराउंडर ने बताया कि कैसे भारतीय क्रिकेट में अगले ऑल-फॉर्मेट कप्तान की तलाश ने गिल को अचानक से मौका दे दिया है। वे रोहित शर्मा का विकल्प चाहते हैं, और इस समय गिल सबसे अच्छा विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट इस समय नेतृत्व की तलाश में है। जब एमएस धोनी आए, तो हम बदलाव के दौर से गुजर रहे थे, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने तुरंत विश्व कप (2007 में टी20) जीत लिया। धोनी के बाद विराट कोहली आए और उन्होंने कमान संभाली। फिर रोहित शर्मा आए और उन्होंने भी शानदार प्रदर्शन किया। हम हमेशा एक ऐसे नेतृत्वकर्ता की तलाश में रहते हैं जो भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सके। इसलिए गिल को खेलने के लिए सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। बेशक, विकेटकीपर को मध्यक्रम में आजमाया जा सकता है, लेकिन यह सैमसन और उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय होगा जो पहले से ही उस क्रम पर खेल रहे हैं।'

इरफान ने आगे कहा, 'शुभमन गिल को जगह देने के लिए संजू को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल सकती। यह मुश्किल होगा। अगर वह निचले क्रम में खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं? सैमसन को पांचवें नंबर पर खिलाएं। अगर ऐसा हो सकता है तो जितेश की जगह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन गिल को ऊपरी क्रम में खेलना चाहिए, क्योंकि तिलक वर्मा ने तीसरे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।'

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

स्टैंडबाय : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, यशस्वी जयसवाल।

सीएसके से ही अधिक सफल रहे हैं अश्विन : डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का कहना है कि स्पिनर आर अश्विन को चेन्नई सुपरकिंग्स नहीं छोड़नी चाहिये थी। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते थे। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अश्विन अब विदेशी लीग में खेलने जा रहे हैं। अश्विन ने आईपीएल में सीएसके के अलावा राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेला है। अश्विन सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। करियर की शुरुआत भी उन्होंने इसी टीम के साथ की थी। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि जब वह अन्य टीमों के लिए खेलते थे तो स्थापित नहीं हो पाते थे। आईपीएल करियर में अश्विन ने 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले हैं। डिविलियर्स ने कहा, शानदार करियर। कहना ही पड़ेगा, क्या शानदार खिलाड़ी था। खेल का क्या वैज्ञानिक था। खेल का एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर। वह हमेशा नियमों की सीमा तक जाता था। आम तौर पर सही होता था, भले ही उस पर थोड़ी-बहुत नाराजगी भी होती थी। मैं खेल का अध्ययन करने वाले लोगों का बहुत सम्मान करता हूं और वह ऐसे ही क्रिकेटरों में से एक था। उन्होंने साथ ही कहा, अविश्वसनीय कौशल। भारत में एक महान खिलाड़ी और आइकन। उन्होंने वर्षों तक टीम इंडिया और सीएसके के लिए कई मैच जीते हैं। उन्होंने दूसरी टीमों के लिए भी खेला, लेकिन उन टीमों में कभी भी अपने को स्थापित महसूस नहीं किया। मेरे विचार से, उन्हें हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स में ही रहना चाहिए था। जाहिर है, यह उन पर निर्भर नहीं था, क्योंकि उन्हें टीम में बनाए रखने और टीम के चयन में कई तरह की बातें शामिल होती हैं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखूंगा।

त्रिकोणीय सीरीज : राशिद की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर दर्ज की पहली जीत

शारजाह । कप्तान राशिद खान की जबरदस्त गेंदबाजी से अफगानिस्तान की टीम ने यहां तिकोणीय क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान यूएई को हरा दिया। ये इस सीरीज में अफगान टीम की पहली जीत है। इससे उसे 2 अंक मिले हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार अर्धशतकों से 188 रन बनाये। इसके बाद मेजबान यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना पायी और उसे 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

पंजाब में बाढ़ से टूटा भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दिल, हरभजन सिंह ने बढ़ाया मदद का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को अपने गृह राज्य पंजाब में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से हुई भारी तबाही पर दुख व्यक्त किया। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार बाढ़ ने 12 जिलों के 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट में गिल ने लिखा, 'अपने पंजाब को बाढ़ से तबाह देखकर दिल टूट गया। पंजाब हमेशा किसी भी विपत्ति से अधिक मजबूत रहेगा, और हम इससे उबरेंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।'

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए 10 नावें उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने लोगों से आगे आकर पंजाब के लिए अपना समर्थन दिखाने का अनुरोध भी किया।

हरभजन ने बताया, 'पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं। मैं खुद प्रभावित इलाकों में गया हूं। पंजाब में हम सभी लोगों के लिए यह एक मुश्किल समय है। हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। मैं सभी जत्थेबंदियों और विभिन्न संगठनों का धन्यवाद करता हूं जो लोगों को बचाने में मदद कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुश्किल घड़ी में हमारी मदद करने का अनुरोध किया है। हम भारत के अन्नदाता हैं। मैं और लोगों से मदद के लिए आगे आने का अनुरोध करता हूं। पंजाब अब सभी की समस्या के साथ खड़ा है। पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं।'

तत्काल राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 129 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 7,144 लोग रह रहे हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,987 लोग हैं, उसके बाद फाजिल्का (1,201), होशियारपुर (478), पठानकोट (411) और गुरदासपुर (424) हैं। अब तक कुल 1,044 गांव प्रभावित हुए हैं जिनमें गुरदासपुर में सबसे अधिक 321 गावं हैं, उसके बाद कपूरथला (115), होशियारपुर (94), अमृतसर (88) और पठानकोट (82) हैं।

गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां लगभग 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में अमृतसर (35,000), फिरोजपुर (24,015) और फाजिल्का (21,562) शामिल हैं। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए कई एजेंसियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) ने 20 टीमें तैनात की हैं, जबकि सेना, नौसेना और वायु सेना ने 10 टुकड़ियां तैनात की हैं, जिनमें से 8 स्टैंडबाय पर हैं, साथ ही उनकी संबंधित इंजीनियर इकाइयां भी हैं। 114 नावों और एक सरकारी हेलीकॉप्टर की मदद से 35 से ज़्यादा हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। सीमा सुरक्षा बल (BSF) को भी प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजार । यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा। गौरतब है कि 1 सितंबर की देर रात आए भूकंप से अफगानिस्तान में 800 से ज्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा 2,800 से ज्यादा लोग इस घायल भी हुए हैं। इलाके के घर भी तबाह हो गये हैं। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की सहायता के लिए आगे आए हैं। खाद्य सामग्री के साथ-साथ मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, टीम ने भूकंप पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखायी है। अफगानिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ होने वाले मैच की अपनी पूरी मैच फीस और अतिरिक्त राशि भूकंप से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए देने की बात कही है। इसके अलावा, खोस्त प्रांत में चल रहे क्षेत्रीय लिस्ट ए टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ी भी अपना दान एकत्र करेंगे।

महापौर और निगमायुक्त ने देखी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाएं

नागरिकों से की पूजन सामग्री को निर्धारित पात्रों में डालने की अपील

भोपाल। राजधानी भोपाल की महापौर मालती राय ने निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के साथ मंगलवार को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए निर्धारित 07 विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिमाओं का विसर्जन सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्व एवं विसर्जन समाप्ति तक निरंतरता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। महापौर राय ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वह जलाशयों की स्वच्छता बनाए रखने के दृष्टिगत पूजन सामग्री को निर्धारित पात्रों में ही रखे।महापौर राय ने निगम आयुक्त नारायन के साथ मंगलवार को शाहपुरा, प्रेमपुरा, खटलापुरा, रानी कमलापति, बैरागढ़, मालीखेड़ी एवं हथाईखेड़ा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया और भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा प्रत्येक घाट एवं अस्थायी प्रतिमा एकत्रीकरण स्थल पर की जा

रही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। महापौर राय ने निर्देशित किया कि सभी विसर्जन घाटों पर आवागमन एवं सुरक्षा के दृष्टिगत व्यवस्थित बैरीकेटिंग करें। साथ ही घाटों व कुंडों पर पर्याप्त संख्या में संसाधनों सहित गोताखोर, क्रेन, फॉयर ब्रिगेड की व्यवस्था के साथ ही विसर्जन स्थलों एवं प्रतिमा एकत्रीकरण स्थलों पर साफ-सफाई, मार्गों का व्यवस्थिकरण, पर्याप्त पेयजल, प्रकाश आदि की व्यवस्था समय से पूर्व सुनिश्चित करने और विसर्जन समाप्ति तक सभी व्यवस्थाएं निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

महापौर राय ने प्रेमपुरा विसर्जन स्थल परिसर में आवश्यकतानुसार गिट्टी जीरा डालकर समतलीकरण कराने, सभी विसर्जन स्थलों के मार्गों को अतिक्रमणमुक्त बनाने, मालीखेड़ी तालाब के किनारे सुरक्षा के दृष्टिगत जाली लगवाने, पार्किंग स्थलों को सुव्यवस्थित बनाने, विसर्जन स्थलों पर पूजन सामग्री आदि पृथक-पृथक एकत्र करने के लिए वालेन्टियर्स की व्यवस्था करने करने को कहा। साथ ही सभी विसर्जन स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों सहित सभी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।महापौर ने नागरिकों से अपील की है कि अपने शहर और शहर में विद्यमान जलाशयों की स्वच्छता का ध्यान रखे और विसर्जन के दौरान पूजन सामग्री को विसर्जन स्थलों एवं प्रतिमा एकत्रीकरण स्थलों पर निर्धारित पात्रों में ही रखे। महापौर ने नागरिकों से अपील की है कि वह स्वयं भी स्वच्छता के लिए निगम की व्यवस्थाओं में सहयोग करें और अन्य नागरिकों को भी स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करें।

नगर निगम द्वारा भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु शहर के प्रमुख 07 स्थानों पर विसर्जन घाट व विसर्जन कुंड में पर्याप्त व्यवस्थाएं की है। इसके अतिरिक्त नगर निगम ने जोन स्तर पर भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के ससम्मान विसर्जन के लिए प्रतिमा एकत्रीकरण एवं विसर्जन कुंड की व्यवस्था की है और इन्हें बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित जोन के जोनल अधिकारियों एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित करने पर कैबिनेट के सदस्यों ने माना आभार

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित किए जाने पर मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने मंगलवार को शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। मंत्रियों ने कहा कि यह पहल भारतीय परंपरा, वैदिक गणना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाली है, जो प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगी।विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम है। यह घड़ी केवल समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि सूर्योदय, सूर्यास्त, राहुकाल, अभिजीत मुहूर्त और चंद्रमा की स्थिति जैसी जानकारी भी उपलब्ध कराती है। इसमें वैदिक समय के साथ-साथ भारतीय मानक समय और ग्रीनविच मानक समय का तुलनात्मक अध्ययन भी संभव है। इस अनूठी घड़ी के साथ मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जो 189 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है

और विश्वभर के 7000 से अधिक स्थानों के लिए समय व पंचांग की जानकारी देता है।

मंत्रियों ने कहा कि उज्जैन की वैदिक और सांस्कृतिक परंपरा से प्रेरित यह घड़ी मुख्यमंत्री निवास में स्थापित होना गर्व की बात है। यह पहल प्रदेश की गौरवशाली धरोहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के साथ युवाओं को वैदिक विज्ञान और गणना प्रणाली से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी।इस अवसर पर परिवहन, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पवार सहित अन्य मंत्री शामिल थे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में 122 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में एडीएम अंकुर मेश्राम, पी.सी. शाक्य ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया।

जनसुनवाई में आए नागरिकों से 122 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।एडीएम मेश्राम, शाक्य ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने तेजा दशमी पर दी शुभकामनाएं, शांति और समृद्धि की कामना की

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज (मंगलवार को) तेजा दशमी की बधाई दी हैं। उन्होंने वीर तेजाजी से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक देवता वीर तेजाजी की कृपा से सबका जीवन खुशहाल हो। मुख्यमंत्री डॉ मोहन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा लोक आस्था के महापर्व तेजा दशमी की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। लोक देवता वीर तेजाजी की कृपा से सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है। बता दें कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हर साल तेजा दशमी का पर्व मनाया जाता है। इस बार ये पर्व आज 2 सितंबर को मनाया जा रहा है। इस पर्व की मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत कुछ प्रदेशों में विशेष मान्यता है। इस दिन तेजाजी के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है।

दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में सीएमएचओ ने देखी सेवाओं की स्थिति, दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल। बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम और पोषण के लिए चलाए जा रहे दस्तक अभियान की सेवाओं का जायजा मंगलवार को राजधानी भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा द्वारा लिया गया।

इस दौरान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अशोका गार्डन एवं मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एकतापुरी में जिंक ओआरएस कॉर्नर सहित विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अशोका गार्डन में जिंक एवं ओआरएस वितरण एवं फॉलोअप रिकॉर्ड ठीक तरीके से संधारित नहीं

करने पर स्टाफ को फटकार लगाई। दस्तक अभियान में 5 साल तक के बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह अभियान 16 सितंबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है।

जिसमें ओआरएस का पैकेट और जिंक की गोलियां निःशुल्क दी जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान संस्था में एएनसी पंजीयन एवं आयरन सुक्रोज की संख्या बढ़ाने, गर्भवती महिलाओं की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्टि एवं समय पर अपडेट करने, निश्चय आईडी बनाने के निर्देश दिए गए। जिंक ओआरएस कॉर्नर के माध्यम से परिजनों को दस्त रोग के लक्षणों की जानकारी, ओआरएस बनाने की विधि, जिंक के उपयोग एवं फायदों के बारे में जागरूक करने के लिए निर्देशित किया गया।

12 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में अवैध गतिविधियों एवं संगठित अपराधों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने, अवैध कारोबार करने वालों एवं गुंडे-बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 12 ग्राम अवैध स्मैक जप्त की गई है।

पुलिस के अनुसार, एसपी डॉ. ऋषिकेश के निर्देशों को लेकर जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिले के विभिन्न थानों में लगातार धरपकड़ की जा रही हैं। मंगलवार को थाना गोटेगांव के नया बाजार, से एक स्मैक का आरोपी शिवम उर्फ बिट्टू अहिरवार को गिरफ्तार कर इससे लगभग 1,25,000 रुपये कीमत की 12 ग्राम अवैध स्मैक जप्त की गई। आरोपी के विरूद्ध धारा 8, 21 (बी), 29 - एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

भोपाल में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का छापा

भोपाल। आयकर विभाग ने मंगलवार सुबह मुंबई सहित मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर शहरों में एक साथ कार्रवाई करते हुए तीस से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई राजधानी भोपाल के एमपी नगर स्थित साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड (एसएचएमपीएल) और इंदौर में उसके सहयोगी संस्थानों के ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, छापे के दौरान भारी मात्रा में टैक्स चोरी के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनकी जांच जारी है।

आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों द्वारा भोपाल में 6 से ज्यादा ठिकानों पर सुबह से ही सर्चिंग की जा रही है। वहीं बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात है। टीम सुबह करीब 5 बजे साइंस हाउस पहुंची। साइंस हाउस का मेन ऑफिस भोपाल में गौतम नगर के मकान नंबर सी-25 में 1994 से चल रहा है। कंपनी देशभर में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सप्लाई करती है। डायग्नोस्टिक सर्विस भी देती है। पैथालॉजी लैब और निजी अस्पताल की भी सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं।

फिलहाल अफसर, इसके संचालक जितेंद्र तिवारी और उनके सहयोगी सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहित गुप्ता, कंसल्टेंट दिनेश बारोलिया, शिखा राजोरिया से पूछताछ कर रहे हैं। ईओडब्ल्यू ने 2024 में रीवा में ज्यादा रेट पर मेडिकल किट बेचने का मामला दर्ज कर जितेंद्र तिवारी और शैलेंद्र तिवारी को जेल भी भेजा था। बता दें कि शैलेंद्र तिवारी साइंस हाउस का डायरेक्टर है। सूत्रों के अनुसार छापे के दौरान टैक्स चोरी से जुड़े भारी मात्रा में दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनकी विभागीय टीम जांच कर रही है। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर कर चोरी के खुलासे से जुड़ी है।

मप्र के मुख्यमंत्री आज नई दिल्ली में उद्योगपतियों से करेंगे वन-टू-वन मीटिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार, 03 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क के इंटरैक्टिव सेशन में शामिल होंगे और उद्योगपतियों से वन-टू-वन मीटिंग करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद रहेंगे। इंटरैक्टिव सेशन में टेक्सटाइल सेक्टर के निवेशकों और नीति-निमार्ताओं की मौजूदगी में मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श होगा।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बढ़ती वैश्विक भूमिका और पीएम मित्रा पार्क की अहमियत पर अपने विचार रखेंगे।यह जानकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में मंत्रियों को दी। उन्होंने कहा कि 3 सितम्बर को नई दिल्ली में इन्वेस्टमेन्ट अपॉर्च्यूनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क का इंटरैक्टिव सेशन होगा। इसमें केन्द्रीय टैक्सटाइल मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि बदनावर धार में 2158 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 2000 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से विकसित हो रहे टेक्सटाइल हब-पीएम मित्रा पार्क से पश्चिम मध्य प्रदेश में मेट्रोपॉलिटन एरिया विकास के स्वप्न को साकार करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वस्त्र उद्योग पर केंद्रित पीएम मित्रा पार्क के विकास को विशेष महत्व दिया है। पार्क में भूमि आवंटन के लिए आवेदन 22 अगस्त से 11 सितम्बर 2025 तक खुले रहेंगे। मात्र एक रुपये प्रति वर्ग मीटर-प्रीमियम तथा 120 रुपये प्रति वर्ग फीट विकास शुल्क पर भूमि आवंटन किया जा रहा है, जो देश में समस्त पीएम मित्रा पार्कों में सबसे कम है। यह पार्क लगभग तीन लाख नौकरियों का सृजन करेगा, जिनमें एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम की 125वीं कड़ी में प्रदेश की खेल उपलब्धियों का दो बार उल्लेख करने पर प्रधानमंत्री का आभार माना।

उन्होंने बताया कि श्रीनगर की डल झील में हुए पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्य प्रदेश को सबसे ज्यादा मैडल जीतेने पर बधाई दी। साथ ही शहडोल जिले के फुटबॉल के क्रेज से जुड़े एक गांव का उल्लेख करते हुए जर्मनी के खिलाड़ी एवं फुटबॉल कोच डिडमार बायर्स डार्फर द्वारा शहडोल के कुछ खिलाड़ियों को जर्मनी की एकेडमी में ट्रेनिंग की पेशकश देने के संबंध में बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने फुटबॉल प्रेमियों से कहा कि जब भी अवसर मिले, वे शहडोल जरूर जायें और वहां हो रहे स्पोर्टिंग रेवेल्यूशन को करीब से देखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिये गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में समय-समय पर मध्य प्रदेश से जुड़े विषयों का उल्लेख करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में संपन्न टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3200 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

इनसे ग्वालियर, चंबल के साथ सागर संभाग में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि विषय विशेष पर निवेश प्रोत्साहन के लिए हो रही समिट का प्रदेश को लाभ मिल रहा है।

इसी क्रम में 11 से 13 अक्टूबर की अवधि में भोपाल में मध्य प्रदेश ट्रेवल मार्ट आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अपने निवास में स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अनावरण और उसके ऐप के संबंध में बताया कि वैदिक घड़ी भारतीय पंचांग और कालगणना को आधुनिक तकनीक से जोड़ती है। इसे 189 से अधिक भाषाओं में देखा जा सकेगा। साथ ही पंचांग तिथि, नक्षत्र योग आदि की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी।

फसल बीमा को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

कहा-किसान हितैषी बनने का ढोंग न करे, अपने काम बताए

भोपाल। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसौदिया ने फसल बीमा को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता राहुल राज के आरोपों को घड़ियाली आंसू करार दिया है। सिसौदिया ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रयासों से फसल बीमा की सुरक्षा प्रदेश के किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है, जो हर संकट के समय उन्हें सहारा दे रही है। किसान हितैषी बनने का ढोंग करने की बजाय कांग्रेस को अपने वो काम बताना चाहिए जो कांग्रेस की सरकारों ने किसानों के हित में किए हों।

प्रदेश प्रवक्ता सिसौदिया ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए किसानों का उपयोग करना जानती हैं। उसके लिए किसान राजनीति के औजार या वोट बैंक से ज्यादा कुछ नहीं है। यही वजह है कि देश और प्रदेश में कांग्रेस की सरकारों ने किसानों की बेहतरी के लिए कोई कदम नहीं उठाए।

पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार ने जो ग्राम सड़क योजना शुरू की थी, उसके फलस्वरूप किसान आज आसानी से अपनी उपज को बाजार तक पहुंचा पा रहे हैं।

किसानों को उनकी उपज का लाभदायक मूल्य दिलाने के लिए स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लागू किया और उन्हीं की पहल पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई। अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों, पशुपालकों और मत्स्य उत्पादकों के हित को देखते हुए कोई समझौता नहीं किया है। कांग्रेस ने अपने दशकों के शासन में किसान हित में ऐसा कोई काम किया हो तो बताए।

मप्र में गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट 12 सितंबर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट 5 अक्टूबर से होगा शुरू

गांधीसागर और कूनो बने ईको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र : पर्यटन राज्य मंत्री लोधी

भोपाल। मध्य प्रदेश अब पर्यटकों को ऐसा सफर देने जा रहा है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से थी। यहां जंगल की रोमांचक रातें, नदी और बैकवाटर्स की शांति और आसमान को छूती साहसिक गतिविधियां, ये सब मिलकर जल्द ही प्रदेश के पर्यटन का नया अध्याय शुरू हो होने जा रहा है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड, ईको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से इस वर्ष दो महत्वपूर्ण आयोजनों का शुभारंभ करने जा रहा है। ह्लगांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीटह्व का चतुर्थ संस्करण 12 सितंबर से मंदसौर जिले के गांधीसागर डैम पर और ह्लकूनो फॉरेस्ट रिट्रीटह्व का द्वितीय संस्करण 5 अक्टूबर से श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के समीप आयोजित होगा। मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंगलवार को एक पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांधीसागर और कूनो जैसे फॉरेस्ट रिट्रीट केवल पर्यटन आयोजन नहीं हैं, बल्कि ये हमारे प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का प्रयास हैं। गांधीसागर और कूनो ईको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र के रूप में उभरे हैं। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का उद्देश्य प्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म के मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाना है वहीं कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट हमारे लिए वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का हब है। इन आयोजनों से न केवल देश-विदेश से पर्यटक आकर्षित होंगे बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि गांधीसागर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट, अनुभव-आधारित पर्यटन के उदाहरण हैं। इन आयोजनों में आने वाले मेहमान उच्च स्तरीय और सर्व सुविधा युक्त ग्लेम्पिंग का आनंद उठाएंगे और जल, थल एवं वायु आधारित साहसिक गतिविधियों जैसे पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, हॉट एयर बैलूनिंग, जंगल सफारी, नाइट वॉक और स्टार गेजिंग का रोमांचक अनुभव प्राप्त करेंगे। ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ ही बोट सफारी, बोट स्पा, योग एवं वेलनेस- सत्र, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर्यटकों को प्रदेश की संस्कृति और जीवन शैली से निकटता से जोड़ेंगी। इन आयोजनों को हमने इस तरह से आयोजित किया है कि पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सतत विकास को प्राथमिकता दी जाए।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल (12 सितंबर 2025 से) अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने बताया कि चंबल नदी पर बने गांधीसागर डैम के मनोहारी बैकवाटर क्षेत्र को एडवेंचर हब बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा यह आयोजन शुरू किया गया था, जो अब देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। इसी कड़ी में अब 12 सितंबर से गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल आयोजन किया जा रहा है। मुख्य आकर्षण : प्राकृतिक सौंदर्य से घिरी ग्लेम्पिंग साइट (50 लग्जरी ऑल सीजन टेंट सिटी) जल, थल और वायु आधारित साहसिक गतिविधियां पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, जोरबिंग आदि बोट सफारी एवं बोट स्पा जंगल सफारी स्थानीय व्यंजन, इनडोर स्पोर्ट्स एवं मनोरंजन सुविधाएं प्रकृति संरक्षण और स्थानीय हस्तशिल्प पर केंद्रित कार्यशालाएं बटरफ्लाई गार्डन रॉक गार्डन। उद्देश्य एवं लाभ : मध्य प्रदेश में पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ ही यह पहल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इन आयोजनों के माध्यम से नेचर एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोमांचक गतिविधियों का अनुभव करने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। साथ ही स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ नई पीढ़ी में अपनी धरोहर और प्राकृतिक संपदा के प्रति जागरूकता भी

विकसित होगी।

कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल (5अक्टूबर 2025 से)

अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने बताया कि चीतों की वापसी के ऐतिहासिक क्षण का साक्षी रहा कूनो राष्ट्रीय उद्यान अब इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक धरोहर का संगम प्रस्तुत करने जा रहा है। आगामी पांच अक्टूबर से यहां आयोजित कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी के साथ पर्यटन को नई पहचान देगा। **मुख्य आकर्षण :** जल, थल और वायु आधारित साहसिक गतिविधियां, कला, शिल्प, लोक संगीत और नृत्य का आयोजन, प्राकृतिक सौंदर्य के बीच ग्लेम्पिंग साइट (25 लग्जरी ऑल सीजन टेंट सिटी), रोमांचक जंगल सफारी एवं नाइट वॉक, योग, ध्यान एवं वेलनेस सत्र, विलेज टूर और विभिन्न कार्यशालाएं, हॉट एयर बैलूनिंग, स्टार गेजिंग का अनुभव एवं चीता इंटरप्रिटेशन सेंटर आदि हैं। **उद्देश्य एवं लाभ :** मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाला कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट प्रदेश के पर्यटन को नई दिशा देने वाला है। यह आयोजन वन्यजीवन, इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देता है और चीता पुनर्वास जैसे ऐतिहासिक प्रयास को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करता है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में सहआरोपित को बीस साल की सजा

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रजनी प्रकाश बाथम की कोर्ट ने मंगलवार को नाबालिग बालिका का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में सहआरोपित को 20 वर्ष का सश्रम कारावास और दो हजार 500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक दिनेश साहू ने की। जानकारी के अनुसार 18 अक्टूबर 2021 को बालिका स्कूल जाने का बोलकर निकली थी, जो स्कूल से नही आई तो परिजनों ने तलाश किया।स्कूल के सीसीटीव्ही. केमरे में देखा तो पता लगा कि वह स्कूल गेट के समीप बनी बाथरुम तक आई थी फिर गायब हो गई। आसपास के क्षेत्र व रिश्तेदारी में तलाशने पर नही मिली तो परिजनों ने शहर ब्यावरा थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज की। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 363 के तहत प्रकरण दर्ज किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने बालिका को दस्तयाब किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक इरशान सईद द्वारा फ्लैट नंबर-12, क्लासिक अपार्टमेन्ट, रिज रोड, ईदगाह हिल्स, भोपाल-462001 से प्रकाशित एवं मां शारदा प्रिंटर्स, मकान नं. 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, म.प्र.-462008 से मुद्रित।
संपादक : इरशान सईद। स्थानीय संपादकः अकबर खान। सह-संपादकः नादिर खान। RNI No : MPHIN/2024/88920। संपर्क सूत्र : +91 99303114969, 9617345538, ई-मेलः webvarta@gmail.com समाचार, चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार